ॐ श्री सदगुरू देवाय नमः ॐ ॐओ३म् ॐ जय माता दी ॐ
ॐ सीताराम बाबा जी ॐॐ जय बाबा की ॐॐ श्याम बाबा ॐॐ
ॐ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! ॐ
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्नि जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक
उत्तरांचल दर्पण
♦वर्ष 24 ♦अंक 119 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦5 फरवरी 2024 ♦मूल्य दो रूपया
darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

विधानसभा सत्र शुरू

देहरादून (उद संवाददाता)। विधानसभा सत्र सोमवार को शुरू हो गया। पहले दिन निधन प्रस्ताव के बाद सदन मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित हो गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सत्र से पहले विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूड़ी भूषण से शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद वह सदन में पहुंचे। सदन में पूर्व सदस्यों सरवत करीम, मोहन सिंह रावत, पूरण सिंह, कृष्ण सिंह, नरेंद्र सिंह और धनी राम को श्रद्धांजलि दी गई। निधन प्रस्ताव पर सीएम धामी ने कहा कि आज पूरा सदन दुखी है। कई साथियों को हमने खोया है। धामी ने कहा कि सरवत करीम जी का असमय चले जाना हमारे लिए बड़ी क्षति है। वह एक भाई की तरह व्यवहार करते थे। जब मैं विधानसभा सदस्य नहीं था, तब वो रात को मिलते थे। हम साथ में टहलते थे। उनकी शेरो शायरी सुनते थे। एक सूरज था तारों के घराने से उठा, आंख हैरान (शेष पृष्ठ सात पर)

धीरेन्द्र शास्त्री ने जाना जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज का हाल

देहरादून (उद संवाददाता)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज का हाल जानने के लिए देर रात बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री पहुंचे। उन्होंने यहां जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ कुछ समय बिताया। उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। वहीं स्वास्थ्य मंत्री धनसिंह रावत ने भी जगद्गुरू का हाल जाना। इससे पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत कई मंत्री और नेता शनिवार को अस्पताल पहुंचे थे। जगद्गुरु का सिनर्जी अस्पताल में इलाज चल रहा है। शुक्रवार की रात तुलसी (शेष पृष्ठ सात पर)

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार ननद-भाभी की मौत

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बेकाबू ट्रक ने स्कूटी सवार ननद-भाभी को टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। नीलियम कालोनी हल्द्वानी निवासी नरेंद्र सिंह नौलिया पुत्र स्व. चिन्ता सिंह नौलिया ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि रविवार की देर शाम बरेली रोड में अपने रिश्तेदारी में शादी में जा रहे थे। उसकी बेटी सविता और कविता स्कूटी से जा रहे थे जबकि वह स्वयं बाइक में था। मंडी बाईपास के पास ट्रक संख्या यूपी 25जी- 9074 ने स्कूटी में टक्कर मार दी जिससे कविता और सविता दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक मय वाहन के मौके से फरार हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान दोनों घायलों की मौत हो गयी। पुलिस ने तहरीर के बाद आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। घर में एक साथ हुई दो मौतों से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

गुलदार ने चौबीस घंटे में एक और बालक को बनाया निवाला

पौड़ी(उद संवाददाता)। आतंक का पर्याय बने गुलदार ने चौबीस घंटे के भीतर एक और बालक को निवाला बना लिया। घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश भी है। पौड़ी के खिसूं से सटे ग्वाड़ गांव में शनिवार शाम को राकेश सिंह का 11 वर्षीय अंकित गोशाला के पास बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान झाड़ियों में घात लगा कर बैठे गुलदार ने उस पर हमला कर दिया। यह देखकर दूसरे बच्चों ने शोर मचा दिया।शोर सुनकर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे जिस पर गुलदार अंकित को छोड़कर भाग गया। ग्रामीण बच्चे को लेकर श्रीनगर बेस अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना को चौबीस घंटे भी नहीं बीते थे कि पौड़ी जिले के ही श्रीनगर के ग्लास हाउस रोड पर रहने वाले सलामुद्दीन के 4 वर्षीय पुत्र अयान अंसारी को रविवार रात लगभग नौ बजे गुलदार घर के आंगन से उठाकर ले गया। घर से लगभग 20 मीटर दूर अयान का खून से लथपथ शव बरामद किया गया। जिससे परिवार में कोहराम मचा गया। चौबीस घंटे के भीतर गुलदार के हमले में दो बच्चों की मौत से क्षेत्र में जहां दहशत का माहौल है वहीं लोगों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश है। ग्रामीणों ने गुलदार को आदमखोर घोषित कर उसे शीघ्र पकड़ने की मांग की है।

घर से चोरों ने जेवर और नगदी उड़ाई

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। घर में घुस कर अज्ञात चोर ने सोने की नथ और अन्य सामान सामान चुरा लिया। मामले की तहरीर पुलिस में दी गई है। छड़ायल निवासी जितेंद्र सिंह रावल पुत्र स्व. मोती सिंह रावल ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसकी मां की साढ़े तीन तोला पुस्तेनी नथ, मां का आधार कार्ड, आयुष्मान व नगदी एक कमरे की अल्मारी में रखी हुई थी। जब 4 फरवरी को कमरा खोला तो कमरे में सामान अस्त व्यस्त था और अलमारी में सोने की नथ, आयुष्मान (शेष पृष्ठ सात पर)

समस्याओं को लेकर चीनी मिल में गरजे ठेका श्रमिक

किच्छा(उद संवाददाता)। चीनी मिल में ठेका प्रथा के तहत कार्य कर रहे मजदूरों ने वेतन कटौती पीएफ की जानकारी ना दिए जाने सहित तमाम अनियमितताओं को लेकर चीनी मिल गेट पर ठेकेदार के विरुद्ध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में भाजपा एवं कांग्रेस के कई नेताओं ने भी शामिल होकर मजदूरों को समर्थन दिया। उल्लेखनीय है कि सप्ताहभर पूर्व श्रमिकों ने अपनी मांगों को लेकर चीनी मिल गेट पर धरना प्रदर्शन कर ठेकेदार के (शेष पृष्ठ सात पर)

यूसीसी को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट

रूद्रपुर/हल्द्वानी(उद संवाददाता)। उत्तराखड में समान नागरिक संहिता लागू होने के चलते पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। संभावना है कि आज से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में यूसीसी बिल को मंजूरी दी जा सकती है। ऐसे में पुलिस और खुफिया तंत्र को अलर्ट मोड पर रखा गया है। शांति व्यवस्था के लिए जगह जगह पुलिस फोर्स तैनात की गयी है। रूद्रपुर में डीडी चौक, इंदिरा चौक, सीर गोटिया, समेत कई स्थानों पर पुलिस तैनात की गयी है। वहीं खुफिया तंत्र भी शहर की गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। उधर हल्द्वानी में वनभूलपुरा क्षेत्र में पुलिस और खुफिया तंत्र सक्रिय हो गया है। बता दें कि उत्तराखंड सरकार का विधानसभा आज से शुरू हो गया है। ऐसे में संभावना है कि यूसीसी बिल को विधानसभा पटल पर रखने के बाद (शेष पृष्ठ सात पर)

'रुद्रपुर' की सियासत का 'टाइगर अभी जिंदा है'

व्यापार मंडल के चुनावी नतीजे से निकला बड़ा सियासी संकेत, नतीजे ने बढ़ाया राजकुमार ठुकराल का सियासी रसूख

-अर्श-

रूद्रपुर।प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल वैसे तो कथित तौर पर गैर राजनीतिक संगठन है ,लेकिन इस संगठन में पर्दे के पीछे का राजनीतिक दखल किसी से छुपा नहीं है। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के चुनाव के समय उपरोक्त संगठन में राजनीतिक दखल सदैव हीअपने चरम पर होता है। यह अलग बात है कि उक्त सियासी दखल प्रत्यक्षत: बमुश्किल ही नजर आता है ।भले ही प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के चुनाव में भीतर खाने खेला जाने वाला राजनीतिक खेल प्रत्यक्षत: नजर ना आता हो, लेकिन शहर के व्यापारियों की इस संस्था के चुनाव की जीत हार को ,रुद्रपुर के राजनीतिक छत्रपों एवं सूबे के प्रमुख राजनीतिक दलों की जय-पराजय से जोड़कर सदैव ही देखा जाता रहा है। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल का संपन्न चुनाव ,हालांकि आरंभ में अध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन के पश्चात नीरस लगने लगा था, लेकिन समय के साथ यह दिलचस्प हो चला और शहर के सियासी सूरमा अपने-अपने समर्थक प्रत्याशियों की पीठ पर हाथ रखने से बाज नहीं आए। परिणाम स्वरूप संपन्न चुनाव में सभी की नजरे महामंत्री पद के नतीजे पर टिकी हुई थी, क्योंकि महामंत्री

का चुनाव लड़ रहे हरीश अरोड़ा को जहां सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों के महारथियों का वरद हस्त प्राप्त था ,वही दूसरी ओर महामंत्री पद के अन्य दावेदार मनोज छाबड़ा को रुद्रपुर के पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और उनके अनुज संजय ठुकराल का खुला समर्थन प्राप्त था। लिहाजा शहर के सियासतदारों की इस अप्रत्यक्ष जोर-आजमाइश पर हर निगाहें टिकनी स्वाभाविक थी ।वह इसलिए, क्योंकि राजकुमार ठुकराल के समक्ष व्यापार मंडल के इस चुनाव के माध्यम से अपनी राजनीतिक पकड़ का लोहा मनवाने का एक सुनहरा मौका था और पूर्व विधायक ने संपन्न हुए व्यापार मंडल चुनाव में महामंत्री पद पर अपने समर्थक मनोज छाबड़ा की जीत सुनिश्चित कराकर ,यह साबित कर दिया कि रुद्रपुर की सियासत का 'टाइगर अभी जिंदा है'। बताना होगा कि विधानसभा चुनाव में राजकुमार ठुकराल के पराजित होने के बाद उनके विरोधी उन्हें 'चुका' हुआ और शहर की सियासत में अप्रसांगिक मानने लगे थे, लेकिन प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के चुनाव में अपनी सधी हुई रणनीति एवं सियासी कला कौशल से अपने समर्थक प्रत्याशी को चुनावी वैतरणी पार कराकर ठुकराल ने ,न सिर्फ अपने विरोधियों के मुंह पर ताला लगा दिया ,बल्कि यह भी साबित कर दिया कि उनमें अभी काफी दमखम बाकी है और शहर के लोगों में पर उनकी पकड़ अभी भी पूर्वत बरकरार है। किसी बड़े पॉलिटिकल इवेंट में अरसे बाद मिली (शेष पृष्ठ सात पर)

धारचूला से गुमशुदा दो लड़कियां बरेली से बरामद

आक्रोशित लोगों ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन, बहलाकर ले जाने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

पिथौरागढ़(उद संवाददाता)। धारचूला में जौलजीबी में नाई की दुकान में काम करने वाला बरेली निवासी युवक धारचूला से दो नाबालिग लड़कियों को बहला फुसलाकर भगा ले गया। इसकी जानकारी मिलते ही आक्रोशित लोगों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धारचूला बाजार बंद कर दिया। इस दौरान लोगों ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को बरामद कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम भेजी गई है। धारचूला के एक गांव निवासी हाईस्कूल में पढ़ने वाली दो छात्राएं (15) एक फरवरी को अचानक लापता हो गई थीं। परिजनों ने तीन फरवरी को धारचूला पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई। इस दौरान पता चला कि दोनों नाबालिगों को जौलजीबी में नाई की दुकान में काम करने वाला इरफान नामक युवक बहला फुसलाकर बरेली ले गया है। पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह के निर्देश पर नाबालिगों को ढूंढ़ने के लिए धारचूला के सीओ परवेज अली ने टीम गठित की। पुलिस टीम ने बरेली से दोनों नाबालिगों को बरामद कर लिया। इधर रविवार को जैसे ही इस घटना का पता धारचूला में लोगों को चला। धारचूला व्यापार मंडल महासचिव महेश गर्ब्याल और भाजपा नेता महेंद्र बुदियाल के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने बाजार में जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। गांधी चौक पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए नाबालिगों को भगाकर ले जाने के आरोपी युवक की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। टैक्सी संचालकों ने भी गिरफ्तारी नहीं होने पर टैक्सी संचालन बंद रखने की चेतावनी दी। उन्होंने बाहरी राज्यों से आकर दुकानों में काम करने वालों का सत्यापन कराने की मांग की। सीओ परवेज अली ने प्रदर्शनकारियों को बताया कि दोनों नाबालिगों को बरामद कर लिया गया है। उन्होंने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। लोगों की नाराजगी को देखते हुए प्रशासन ने धारचूला नगर में पीएसी के जवान तैनात कर दिए हैं। एसपी पिथौरागढ़ लोकेश्वर सिंह के अनुसार तीन फरवरी को नाबालिगों के लापता होने की सूचना मिली थी। एक टीम गठित कर दोनों नाबालिगों को बरामद कर लिया गया है। नाबालिगों को मजिस्ट्रेट के सम्मुख प्रस्तुत कर बयान दर्ज किए जाएंगे। आरोपी की गिरफ्तारी शीघ्र कर ली जाएगी।

मृतक आश्रित चालक एवं परिचालक पद के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में परिवहन निगम के अन्तर्गत चालक एवं परिचालक पद के लिए 106 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इन अभ्यर्थियों को मृतक आश्रित के रूप में परिवहन विभाग में नियुक्ति दी गई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के अन्तर्गत चयनित 16 सहायक लेखाकारों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने 16 महिलाओं को परिवहन विभाग द्वारा निःशुल्क ड्राइविंग प्रशिक्षण देने के बाद उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा जन-जागरूकता रैली का फ्लैग ऑफ किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सड़क सुरक्षा कैलेण्डर और सड़क सुरक्षा पर आधारित डाटा बुक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी नौकरी की शुरूआत से ही अपने कर्तव्यों का इमानदारी, सच्ची लगन और कड़ी मेहनत से निर्वहन करें। परिवहन सेवा को सुचारू रखने के लिए चालक और परिचालक का महत्वपूर्ण दायित्व होता है। सरकारी सेवा में आत्म अनुशासन का होना बहुत जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से अनेक भर्ती प्रक्रियाएं गतिमान हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, सचिव परिवहन श्री अरविंद सिंह ह्यांकी, प्रबंध निदेशक परिवहन निगम डॉ. आनन्द श्रीवास्तव एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हिंदुओं को सौंपा जाए ज्ञानवापी परिसर: तोगड़िया

हरिद्वार। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के नेता प्रवीण भाई तोगड़िया ने कहा, काशी में आठ फीट ऊंचे नंदी भगवान ज्ञानवापी में रोज महादेव की पूजा का इंतजार कर रहे हैं। अभी तहखाने में पूजा शुरू हुई है। शिवलिंग की पूजा होनी बाकी है। कहा, केवल पूजा का अधिकार ही नहीं, पूरा ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपा जाना चाहिए। रविवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों से कहा, हमें भगवान महादेव के काशी विश्वनाथ का सम्मान वापस लाना होगा। कहा, संगठन ने तय किया कि जैसे राम मंदिर बना, उसी तर्ज पर काशी-मथुरा और अन्य धार्मिक स्थल पुनः सृजित और विकसित किए जाएंगे। कहा, रामलला के लिए पहले भी कारसेवकों ने लाठी-गोली खाई। अब जब सरकार में अपने ही भाई हैं, तो विश्वास है कि इन मुद्दों का हल भी जल्द निकलेगा। तोगड़िया ने कहा, उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर चर्चा चल रही है। यह कानून पूरे देश में लागू होना चाहिए। कैंसर दिवस पर कहा, 1981 से वर्ष 1998 तक उन्होंने कैंसर अस्पताल में 10 हजार से ज्यादा रोगियों के ऑपरेशन किए। उस वक्त कैंसर रोग के मरीज भी कम थे और विशेषज्ञ भी। कहा, सरकार ने आयुष्मान कार्ड से मरीजों को जीवनदान दिया है। इस मौके पर राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री ईश्वरी प्रसाद, क्षेत्र संगठन मंत्री सुभाष जोशी, जिलाध्यक्ष विवेक वर्मा, जिला महामंत्री अरविंद पांडे आदि शामिल रहे। कहा लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न का सम्मान बेहद सम्मानजनक निर्णय है। मांग की कि अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ, रामचंद्र परमहंस को भी भारत रत्न दिया जाना चाहिए। कहा, 500 साल में 25 पीढ़ियां राम मंदिर के लिए लड़ीं। 13 धर्म संसद द्वारा एक लाख से ज्यादा साधु-संतों ने आंदोलन में नेतृत्व किया। इसका यश इन्हीं साधु-संतों को जाता है।

बसंत पंचमी पर होगी कपाट खुलने की तिथि घोषित

देहरादून। चारधाम यात्रा 2024 के लिए बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि बसंत पंचमी(14 फरवरी) को नरेंद्रनगर राजमहल में विधि-विधान पंचांग गणना के बाद तय होगी। इस दौरान महाराजा मनुजयेंद्र शाह, सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, राजकुमारी शिरजा शाह भी मौजूद रहेंगी। राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल बदरीथ धाम के कपाट खुलने तिथि निश्चय करेंगे और महाराजा कपाट खुलने की तिथि की घोषणा करेंगे। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा.हरीश गौड़ ने बताया 14 फरवरी को सुबह दस बजे से धार्मिक समारोह शुरू हो जाएगा। इसी दिन तेल कलश यात्रा की भी तिथि तय की जाएगी। डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के पदाधिकारी भगवान बदरीविशाल के अभिषेक के लिए प्रयुक्त होने वाले तेलकलश को योग बदरी पांडुकेश्वर व श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ में पूजा के बाद 14 फरवरी को राजमहल के सुपुर्द करेंगे। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि शुक्रवार आठ मार्च शिवरात्रि के अवसर पर पंच केदार गद्दस्थल ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ(रूद्रप्रयाग) में विधि-विधान पंचांग गणना पश्चात तय होगी। इसी दिन केदारनाथ भगवान के पंचमुखी भोगमूर्ति के केदारनाथ धाम प्रस्थान का भी कार्यक्रम तय हो जाएगा। इस वर्ष अक्षय तृतीया शुक्रवार 10 मई को है। परंपरागत रूप से गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाट अक्षय तृतीया को खुलते हैं। अप्रैल माह में गंगोत्री मंदिर समिति एवं श्री यमुनोत्री मंदिर समिति गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के विधिवत कपाट खुलने की तिथि एवं समय का ऐलान करेंगे।

कांग्रेस करेगी अग्निवीर संवाद कार्यक्रम: भुल्लर

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।स्वराज आश्रम में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहाँ पहले सेना में भर्ती होने को लेकर कई सपने रहते थे लेकिन आज अग्निवीर को लेकर युवाओं के अंदर दर्द साफ छलक रहा है जिसको लेकर आगामी 7 फरवरी को हल्द्वानी में अग्निवीर से संवाद कार्यक्रम किया जायेगा। श्री भुल्लर ने कहा कि अग्निवीर योजना को लाकर के भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार ने करोड़ों नौजवानों को ठगने का काम किया हैं और उनके सपनों को तोड़ने का काम किया है एक ओर देश की सेनाओं को सशक्त करने की और बात की जाती है तो वहीं पूरी दुनिया जानती है की देश सेवा सशक्त होने की जगह कमजोर हो रही है अग्नि वीर के सरकार की बहुत ही गलत योजना है जिसे युवा कांग्रेस ने उस समय भी विरोध किया था जब यह योजना लाई गई थी और सरकार की इस योजना का हम आज भी विरोध करते हैं। युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष हेमन्त साहू ने कहाँ 7 फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से अग्निवीर संवाद कार्यक्रम रखा है जो हल्द्वानी के मधुबन वेडिंग पॉइंट पर उत्तराखंड के नौजवानों की भावनाओं को सुनने समझने उनके मन की बात जानने हमारे कांग्रेस पार्टी के जो राष्ट्रीय अध्यक्ष पॉलीटिकल एडवाइजर गुरदीप सप्पल, और एक्स सर्विसमैन कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष, कर्नल विधायक रोहित चौधरी कमनिकेशन वार रूम हेड वैभव वलिया प्रदेश अध्यक्ष करन मेहरा पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह नेता नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्या समेत तमाम वरिष्ठ नेता कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। प्रदेश के युवाओं की भावनाओं के अनुरूप उनकी मजबूती से किस प्रकार हम आने वाले समय में घोषणा पत्र में इसको लोगों के बीच में रखेंगे पर मंथन किया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में नैनीताल कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिम्मवाल, महानगर अध्यक्ष गोविन्द बिष्ट ,एडवोकेट भानू कबडाल, नवीन सांगुडी मौजूद बहादुर बिष्ट आदि रहे।

धार्मिक समागम में संगत हुई निहाल

गदरपुर(उद संवाददाता)। हमारे एह कृपा कीजै अल मकरंद चरण कमल सिंउ मन फेर फेर रीझै, हे वाहेगुरु हम पर ऐसी कृपा करो जैसे भंवरा कमल के फूल का मकरंद रस चूस कर मस्त हो जाता है वैसे ही हमको नाम रूपी रस मकरंद की प्राप्ति हो जैसे चात्रिक पक्षी स्वाति नक्षत्र की बूंद से तृप्त हो जाता है और अन्य किसी भी प्रकार से जल का सेवन नहीं करता। इस प्रकार हे वाहेगुरु परमात्मा हम पर भी कृपा करके नाम रूपी रस की बक्शिश करो। यह विचार पटियाला से आए अमृत प्रचार संगत के प्रमुख जत्थेदार बाबा जगजीत सिंह द्वारा एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान कहे। उन्होंने कहा,श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की गुरबाणी 31रागों में दर्ज है उन्होंने गुरु अर्जन देव जी द्वारा रचित राग कल्याण की वाणी का गायन किया। नयागांव स्थित गैट पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को नतमस्तक होते हुए संगत ने गुरबाणी कीर्तन श्रवण किया। इस दौरान बाबा जगजीत सिंह द्वारा वर्तमान समय में कलयुग के प्रभाव से सिख धर्म की मर्यादा को कायम रखने के लिए सभी को अपील करते हुए एकजुट होने का आहवान किया। इस दौरान ज्ञानी गुज्जर सिंह एवं ज्ञानी नरेंद्र सिंह द्वारा भी गुरबाणी की कथा की गई ।गैट पॉलिटेक्निक कॉलेज के डायरेक्टर हरेंद्र सिंह लाडी ने बताया कि अमृत प्रचार संगत द्वारा क्षेत्र में हर वर्ष कई समागम किए जाते हैं जिससे संगत को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की शिक्षा एवं ऐतिहासिक पक्षों की जानकारी प्राप्त करके गुरु उपदेशों को आत्मसात करने का अवसर प्राप्त होता है। इस दौरान श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश ग्रंथी भाई पवनप्रीत सिंह द्वारा तथा संगत द्वारा पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में संगत तथा कॉलेज के स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने सेवा करने के उपरांत लंगर रूपी प्रसाद भी ग्रहण किया।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

पैदल जा रही युवती का अपहरण कर चलती कार में किया गैंगरेप, दो युवक गिरफ्तार ,कार बरामद

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। हीरानगर से एक युवती का अपहरण कर चार दरिंदों ने चलती कार में उसके साथ गैंगरेप किया और मुखानी चौराहे पर युवती को उतारकर फरार हो गए। युवती से गैंगरेप की घटना को लेकर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है वहीं पुलिस दो आरोपियों को दबोच लिया है जबकि फरार दो अन्य युवकों की तलश में जुट गइ है। कोतवाल उमेश मलिक ने बताया कि युवती की तहरीर पर चार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। जांच महिला सब इंस्पेक्टर को सौंपी और सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। मुखानी थाना क्षेत्र निवासी एक 22 वर्षीय युवती अपने घर से एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए पालम सिटी के लिए करीब

सात बजे निकली थी। वह ई-रिक्शा से आई और सुशीला तिवारी अस्पताल के पास उतर गई। उसे वहां उसका भाई लेने के लिए आने वाला था। काफी देर तक जब वह नहीं आया तो मम्मी को फोन किया लेकिन कॉल नहीं उठाने पर वह पैदल ही हीरानगर तिराहे के पास पहुंची। इसी बीच एक टाटा पंच कार उसके पास आकर रुकी जिसमें चार लोग सवार थे। उन्होंने युवती को कार में खींच लिया और गाड़ी लॉक कर ली। युवती ने आरोप लगाया कि शराब पी रहे युवकों ने उसका फोन ले लिया और जबरन शराब पिला दी। इसके बाद गाड़ी तीन घंटे तक हल्द्वानी की गलियों में घूमती रही। इस दौरान चारों ने उसके साथ रेप किया। युवती को मुखानी चौराहे पर उतारकर चारों फरार हो गए। इधर युवती ने अपने दोस्त को बुलाया जिसके साथ वह स्कूटी से घर पहुंची। अपनी मां को आपबीती बताई। अगले दिन युवती ने मनोज, सोनू, आशू और ऋषि के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि पुलिस ने गौजाजाली निवासी ऋषि मंगलपड़ाव के मनोज को गिरफ्तार किया है और कार भी बरामद कर ली है। ऋषि सट्टा लगाने का काम करता है।

हाथियों के झुंड ने पर्यटकों के वाहन पर किया हमला

रामनगर। कॉर्बेट पार्क से सटे रामनगर वन प्रभाग की कोटा रेंज के भंडारपानी क्षेत्र में हाथियों के झुंड ने पर्यटकों की कार पर हमला कर दिया। हाथियों का हमला होने पर कार सवार सैलानियों ने भागकर जान बचाई। वनकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर हाथियों को जंगल में भगाया जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। हाथियों ने कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। दिल्ली के पर्यटक चार कारों से पाटकोट भलोन स्थित एक रिजॉर्ट में जा रहे थे। बांगाझाला के पास हाथियों का झुंड अचानक सड़क

पर आ गया। इसी दौरान तीन कारें तो आगे निकल गईं, लेकिन एक कार पर हाथियों ने हमला कर दिया। गनीमत रही कि पर्यटक कार से उतरकर भाग खड़े हुए। इस पर हाथियों के झुंड ने कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। रामनगर वन प्रभाग के कोटा रेंजर रमेश ध्यानी ने बताया कि सूचना पर वनकर्मियों ने कार सवार सोनू प्रसाद निवासी दिल्ली और अन्य तीन कारों में सवार छह से ज्यादा पर्यटकों को रेस्क्यू कर भंडारपानी वन चौकी पहुंचाया। फिर वनकर्मी खुद उन्हें उनके रिजॉर्ट तक सुरक्षित छोड़कर आए। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि यह वन्यजीव बहुल क्षेत्र है। साथ ही हाथी कॉरिडोर होने की वजह से हाथी सड़क पर दिखाई देते हैं। इसलिए रात में इस मार्ग पर न निकलें।

एमपी पुलिस ने तीन युवकों को उठाया

हल्द्वानी। न्यायिक अधिकारी की बेटी से करीब आठ लाख की ठगी के मामले में मध्यप्रदेश पुलिस बनभूलपुरा पहुंची। टीम ने बनभूलपुरा पुलिस को साथ लेकर तीन आरोपियों को पकड़ा। इसके बाद उन्हें अपने साथ मध्यप्रदेश ले गई। बनभूलपुरा पुलिस के मुताबिक शुक्रवार देर शाम मध्य प्रदेश पुलिस हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में पहुंची। थाने में आमद कराने के बाद तीन युवकों के घर पहुंची और उन्हें हिरासत में ले लिया। दूसरे राज्य की पुलिस के बनभूलपुरा में पहुंचने के कारण इलाके में हलचल मच गई। लोगों का थाने में जुटना शुरू हो गया। मध्यप्रदेश पुलिस के अनुसार मध्य प्रदेश में एक न्यायिक अधिकारी की बेटी से करीब आठ लाख रुपये की ठगी के मामले में खोजबीन करते हुए पुलिस पहुंची है। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद लेकर आरोपियों के घर तक पहुंची। एसओ बनभूलपुरा नीरज भाकुनी ने बताया कि बनभूलपुरा क्षेत्र के तीन युवकों पर साइबर क्राइम करने का आरोप है। इन्होंने लाखों की ठगी की है। मामले में एमपी पुलिस हल्द्वानी आई थी। तीनों आरोपियों को अपने साथ लेकर एमपी के लिए रवाना हो गई।

गरीबों को वितरित किये कम्बल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष सैयद इफ्तार हुसैन ने जन्मदिन के शुभ अवसर पर ग्राम पटेरी में जरूरतमंद गरीबों को कम्बल वितरित किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे भी प्रयास जारी रहेंगे। उन्होनें कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य है। इस अवसर पर जितेंद्र कुमार गौतम सहित कई लोग मौजूद थे।

चोरी की साईकिल व चाकू सहित दो भाई गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत सायं पुलिस ने चैकिंग के दौरान दो भाईयों को चोरी की एक साईकिल व दो चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार उनि. जितेन्द्र कुमार, का धर्मेन्द्र मर्तोलिया, हरीश कुमार चैकिग करते किच्छा रोड पार्किंग में पहुंचे। मुखबिर से सूचना मिलने पर वह दक्ष रोड की तरफ गये। जहां कौशल्या ग्रीन कालौनी दक्ष रोड की तरफ से एक पुरानी साइकिल लेकर दो लड़के पैदल आते हुए दिखाई दिये। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम पता रोहित पुत्र पप्पू उर्फ हीरा लाल निवासी गड्डा कलोनी वार्ड 12 ट्रॉजिट कैम्प तथा करन पुत्र पप्पू उर्फ हीरा लाल निवासी गड्डा कालोनी वार्ड 12 ट्रांजिट कैम्प बताया। तलाशी लेने पर दोनों के पास से एक एक अवैध चाकू बरामद हुआ। साईकिल के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि दोनों सगे भाई है तथा दोनों को नशे की लत लग गयी है। जिस कारण नशे का खर्च पूरा करने के लिए दोनों भाईयों ने कल रात्रि में बागवाड़ा भट्टे के एक घर के आँगन से यह साईकिल चोरी की थी। पुलिस ने बताया कि यह साईकिल बबलू पुत्र स्व. मेवाराम निवासी बगवाड़ा भट्टा की है जिसने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने पकड़े गये दोनों भाईयों को गिरफ्तार कर लिया।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

महिला को घर से खींच कर पीटा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। चौकी रम्पुरा क्षेत्र की एक कालोनी में लोगों ने एक महिला को घर से खींच कर बेरहमी से पीटने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता दो छोटे बच्चों को लेकर चौकी पहुंची और पुलिस से मदद की गुहार लगाई। जानकारी के मुताबिक चौकी रम्पुरा क्षेत्र की एक कालोनी में यूपी निवासी किराए के मकान में रहने वाली महिला दो छोटे छोटे बच्चों को लेकर चौकी रम्पुरा पहुंची। पीड़िता के मुताबिक पति शराबी है। आए दिन पति उससे विवाद करता है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आज सुबह कालोनी के लोग एकत्रित हो गए और उसे घर से खींच कर सड़क पर ले आए और बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। उसके बाल पकड़ पीटा। उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। महिला ने बताया कि एक महिला को घर से खींच कर सड़क पीट रहे और पुलिस उसकी मदद नहीं कर रही। पीड़िता ने कहा कि अगर पुलिस ने मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो वह पुलिस के आलाधिकारियों के पास जाएगी। समाचार लिखे जाने तक पीड़िता चौकी में बैठी थी।

आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा का भट्ट ने किया स्वागत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री व नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा का स्वागत किया है। केंद्रीय मंत्री श्री भट्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की है जो कि स्वागत योग्य घोषणा है। उन्होंने कहा कि समाज और देश के लिए लंबे समय से संघर्ष कर पूरा जीवन समाज को समर्पित करने वाले ऐसे पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने पर प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

यूसीसी पर वाहवाही लूट रही सरकार: मतीन

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने कहा कि प्रदेश की पुष्कर सिंह धामी सरकार उत्तराखंड में यूसीसी को लेकर काफी उतावली नजर आ रही है। इस बिल को सबसे पहले उत्तराखंड में लागू कर सरकार वाहवाही लूटने का प्रयास कर रही है। सपा नेता ने कहा कि इस बिल को लेकर पूरे देश में विरोध हो रहा है। लेकिन इसके बाद भी इस बिल को सरकार लागू करने पर तुली हुई है, यह समझ से परे है। उन्होंने कहा कि आम जनता का ध्यान भटकाने के लिए इस बिल को लाया जा रहा है। खासकर अल्पसंख्यकों को डराने के लिए। उन्होने कहा कि पूरे देश में समान नागरिक संहिता के बजाए कॉमन सिविल कोड पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। जो भी कदम उठाए जाएं देशहित में उठाए जाएं।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। हीरा नगर चौकी पुलिस ने चैकिंग के दौरान स्कूटी से ले जाई जा रही शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी सीज कर दी है। हीरानगर चौकी पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी। पुलिस ने वन विभाग कार्यालय के पास एक बिना नंबर स्कूटी को चौकिंग के लिए रोका। स्कूटी में रखी पेटी को चौक किया तो उसमें 96 पव्वे शराब के बरामद हुए। पकड़े गए युवक ने अपना देवेन्द्र सिह उर्फ गुड्डू पुत्र दान सिह शाही निवासी जज फार्म मुखानी बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज स्कूटी सीज कर दी है।

तेजस्व बने मिस्टर इंस्पिरेशन और संध्या मिस इंस्पिरेशन

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल में कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा 12वीं के सभी विद्यार्थियों को विदाई दी गई। इस विदाई समारोह का शुभारम्भ विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ0 गीतिका बल्यूटिया, प्रधानाचार्य अनुराग माथुर व उप-प्रधानाचार्या श्रीमती ममता तनेजा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। लगभग 180 छात्र-छात्राओं के रैम्प शो के साथ कार्यक्रम का भव्य आगाज हुआ। साथ ही विद्यार्थियों के मध्य भिन्न-2 प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ हुई। जिनमें रिंग गेम्स, म्यूजिकल चेयर आदि थीं। तत्पश्चात अंतिम राउण्ड में निर्णायकों द्वारा चुने हुए विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे गए। निर्णायक मण्डल की भूमिका में श्रीमती रश्मि भट्ट व श्रीमती शिखा सोलोमन उपस्थित थे। समारोह को

आकर्षक बनाने हेतु कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मनोरंजन किया। साथ ही हमारे विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा विद्यार्थियों को उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया। जिसमें विद्यालय में रहकर उनके विशेष योगदान शिक्षा, खेल, संगीत तथा कला के क्षेत्रों में अपना प्रदर्शन दिखाकर विद्यालय का मस्तक मुकुट ऊँचा किया, सम्मिलित था। इन मेधावी छात्रों में परितोष सिंह (इंग्लिश डिबेट) अभिनव काण्डपाल व हर्षित जोशी (संगीत) जया पोखरिया (कला) कारन कम्बोज व सलिल मेहता (खेल) से सम्बंधित थे। मिस्टर इंस्पिरेशन व मिस इंस्पिरेशन का खिताब तेजस्व रावत व संध्या बारोलिया, मिस्टर कंजीनियल व मिस कंजीनियल चिराग सुणठा तथा नर्मदा महरा, मिस्टर जीनियस तथा मिस जीनियस ऋषभ पंत व इशिता जोशी और स्टूडेंट ऑफ द इयर दिया रौतेला ने खिताब जीता। इसी क्रम में बेस्ट अटायर खिताब में क्रमशः अर्श सिद्दीकी व सताक्षी अग्रवाल ने जीता। अंत में 12वीं के छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। उन्होंने मंच पर आकर गदगद हृदय से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया एवं अपने अनुभवों को बताते हुए वद्यालय के प्रत कृतज्ञता प्रदर्शित की। विद्यालय की प्रबंधिका डॉ0 गीतिका बल्यूटिया व प्रधानाचार्य अनुराग माथुर द्वारा सभी विद्यार्थियों को उनके भावी भविष्य की शुभकामना तथा सफलता का आर्शीवाद दिया गया। कार्यक्रम के संचालन की भूमिका कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों ने बड़े ही रोचक ढंग से किया गया । इस कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय की शिक्षिका सुश्री स्मिता पंत, श्रीमती मधुमिता दास व मुकेश तिवारी एवं संगीत विभाग के साथ अन्य शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गांव चलो अभियान की कार्यशाला आयोजित

विकास के दम पर लोकसभा चुनाव में हैट्रिक बनाएगी भाजपा: रामपाल

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। भारतीय जनता पाटी द्वारा देश भर में चलाये जा रहे गाँव चलो अभियान के तहत किच्छा ग्रामीण मण्डल में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता रूद्रपुर के निवर्तमान मेयर रामपाल सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया और कार्यकर्ताओं को अभियान के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान करते हुए अभियान को सफल बनाने के लिए जुटने का आहवान किया। कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए रामपाल सिंह ने कहा कि गांव चलो अभियान आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी का महत्वपूर्ण अभियान है जिसके तहत कार्यकर्ताओं को गांव गांव जाकर केन्द्र सरकार द्वारा लागू मोदी की गारंटी और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में घर घर जाकर बताना है। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा किये जा रहे जनहित के कार्यों से भी आमजनों को अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर व गांव गांव लेकर जाए। विकास की उस यात्रा में हमारे गांव भी अव्वल रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में देश के प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। पूरे देश में देश में माहौल भाजपा के पक्ष में है। विकास के बल पर भाजपा इस बार 400 पार का लक्ष्य पूरा करेगी। उन्होंने कहाकि भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जहां वास्तविक लोकतंत्र है। देश पर सबसे अधिक समय तक शासन करने वाली कांग्रेस के पास न तो विजन है, और न ही विचार। भाजपा ने हमेशा कार्यकर्ताओं के बल पर ही चुनाव लड़ा और जीता है। भाजपा कार्यकर्ता बहुत ही परिश्रमी होता है वह सदैव राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य करता है। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी कार्यकर्ताओं की मेहनत, मोदी सरकार के विकास कार्य, और धामी सरकार की उपलब्धियों के बल पर भाजपा फिर एक बार चुनाव जीत कर प्रचंड बहुमत सरकार बनाने जा रही है।अभियान के बारे में विस्तार से बताते हुए रामपाल सिंह ने कहा कि गांव चलो अभियान में प्रवासी कार्यकर्ता को गांव क्षेत्र व हर बूथ पर प्रवास के लिए भेजना है। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा गांव चलो अभियान की शुरुआत की गई है। इस में प्रत्येक ग्राम में प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में 24 घंटे प्रवास पर रहेगा और केंद्र सरकार की योजना को जन-जन तक लेकर जाना उद्देश्य है। अभियान की सफलता के लिए कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है।सभी कार्यकताओं को इस अभियान की सफलता के लिए तत्पर रहना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर सभी जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता गांव चलो अभियान के तहत गांव-गांव जाकर वहां के लाभार्थी एवं आमजनों से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा से जमीनी स्तर पर काम करती आई है और आगे भी करेगी। उन्होंने कहा कि गांव चलो अभियान मील का पत्थर बनने वाला है। इस अभियान के तहत हमें विपक्ष के बड़े नेताओं के बूथ पर भी जाकर भाजपा की नीति को बढ़ाने का काम करना है। प्रत्येक बूथ के आम जनमानस को यह बताने की आवश्यकता है कि आजादी के बाद सनातन के रक्षक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में मिले है, जो कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास, सबका प्रयास के माध्यम से विकसित भारत के सपने को पूरा कर रहे हैं। कार्यशाला में मंच संचालन बलजीत सिंह गाबा ने किया। इस अवसर पर डा. डीएन मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी,ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष अक्षय अरोरा, भारत भूषण चुघ, विपिन जल्होत्रा, हरीश खानवानी, बंटी खुराना, अमित मदान, सैय्यद साहब, सुजाहत खान, महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष दीपा राय, शोभा पाठक, विश्वजीत मिश्रा, उदयवीर, सूरज कालड़ा, चन्द्रसेन, आशीष कुमार, अमित कश्यप, मयंक तिवारी, अंकित पाठक, राहुल चन्द्रा, मोहित भारद्वाज, बूटा सिंह, अमृत पाल, जग्गू सिंह, पूरन कुमार, मोहित कुमार, अरविंद सिंह, साधना शर्मा, रवीना गंगवार, सीमा रस्तौगी, प्रियंका महतो, रेनू यादव सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारामल मंदिर में पुलिस प्रशासन ने आयोजित किया विशाल भंडारा

खटीमा(उद संवाददाता)। भारामल बाबा की समाधि स्थल पर पुलिस प्रशासन द्वारा विशाल भंडारे का अयोजन किया गया। कुछ दिन पूर्व महन्त हरि गिरी महराज एवं उनके शिष्य की निर्मम हत्या कर दी गईं थीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी द्वारा अपराधियों के पकड़े जानें पर भारामल बाबा के दरबार में विशाल भंडारे का अयोजन कराने की घोषणा के अन्तर्गत भंडारे का अयोजन किया गया। जिसमें पूरे जिले के सभी थानों के पुलिस अधिकारियों एवम भारामाल बाबा में आस्था रखने वाले भक्त शमिल हुए। भंडारे में स्वयं पुलिस अधीक्षक ने भक्तों को प्रसाद वितरण किया। पुलिस अधिकारी कर्मचारी भारामल बाबा के भंडारे मे सेवा करते नजर आए। भंडारे मे विभिन्न अखाड़ों से आए हुए साधु संतों ने भाग लिया। भंडारे मे एसएसपी मंजूनाथ टीसी एसपी क्राइम मनोज कत्याल, कोतवाल प्रकाश सिंह दानू, देवेंद्र गौरव, संजय पिलखवाल, दिनेश फर्त्याल, नरेश चौहान, पुलिस अधिकारी राजकिशोर सक्सेना, मनोज वाधवा, जीवन धामी, भवानी भण्डारी, सचिन रस्तोगी, पप्पू सक्सेना, दीपक सक्सेना, भानू रस्तोगी, ब्रजेश तिवारी, अरविंद काश्यप, सेवादार शंकर सिद्धार्थ भट्ट, रवि सक्सेना, पंकज ठाकुर आदि उपस्थित थे। भंडारे में विभिन्न मतों से पहुंचे साधु संतों ने बताया कि जल्द ही भारत माल बाबा के मुख्य महंत की घोषणा साधु संत आपस में विचार विमर्श करके की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी ने महंत श्री हरि गिरि महाराज की हत्याकांड का खुलासा करने वाली पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अनुरूप भारमल बाबा के सौंदर्यीकरण के विकास कार्य शुरू कराए जाएंगे। भारामल बाबा में लोगों की आस्था को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारामल बाबा स्थल पर धर्मशाला निर्माण सीसी रोड निर्माण शौचालय एवं स्नानागार बनाने का आश्वासन दिया है।

मौसम परिवर्तन के साथ ही पेड़ों के पत्ते गिरने शुरू हो जाते है। पतझड़ होने से ऐसा लग रहा है जैसे जमीन पर गिरे हुए पत्ते दूसरे मौसम का स्वागत कर रहे हों। रूद्रपुर में कलेक्ट्रेट के पास सड़क पर गिरे पत्तों का नजारा
(विवरण एवं फोटो- दीपक शर्मा)

जैन ग्लोबल स्कूल में हुआ स्पेक्टेराफेस्ट कार्यक्रम आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।जैन ग्लोबल स्कूल में स्पेक्टेराफेस्ट कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि चेयरमैन पुष्कर राज जैन, निर्देशक योगेश जैन, श्रीमती नेहा जैन एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । जिसमें छात्रों ने सरस्वती वंदना, गीत, हूला-हुप नृत्य आदि रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका सिंह द्वारा किया गया। विद्यालय में छात्रों को रोबोटिक्स द्वारा खेल के माध्यम से कम उम्र में गणितीय सोच के बुनियादी कौशल को विकसित करना सिखाया गया ।सभी छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों में अपनी सक्रियता दिखाई जिससे उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समस्या समाधान क्षमता में सुधार हुआ। इस प्रदर्शनी से हमारा लक्ष्य है शिक्षा में रूचि बढ़ाना और उन्हें सामाजिक रूप से जागरूक करना ताकि वह भविष्य में अग्रणी बन सके।

हवन यज्ञ के साथ श्रीमद भागवत कथा संपन्न

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। हवन यज्ञ कर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गांधी पार्क रूद्रपुर पर आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के समापन पर हवन यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य पंडित तिवारी ने पूर्ण विशुद्ध वेद मित्रों का उच्चारण किया। उपस्थित संत समाज एवं संगत ने हवन यज्ञ में मंत्र उच्चारण के साथ आहुतियां डाली। इस अवसर पर कथा व्यास साध्वी कालिंदी भारती जी ने कहा राजा परीक्षित जी ने इसी श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा को सुनकर मोक्ष की प्राप्ति की थी। आज समाज को पुनः आवश्यकता है कि समाज महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित इस महान ग्रंथ की एक-एक बात को अपने जीवन में धारण करें जिससे समाज में पुनः भक्ति प्रेम एकता की स्थापना हो सके। साध्वी जी ने सभी उपस्थित भक्त जनों को कहा कि हमारा सभी का लक्ष्य समाज के कल्याण की मंगल कामना करना है क्योंकि यदि हम सब का मंगल सोचेंगे तो हमारा मंगल स्वयं ही होगा।अंत में सभी ने सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया की मंगल कामना की। हवन में रामचंद्र सिंघल ,वीरेंद्र जिंदल,विशाल गोयल परिवार सहित हवन यज्ञ में सम्मिलित हुए।

केन्द्रीय मंत्री भट्ट ने किया संजय वन चेतना केन्द्र का निरीक्षण

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्यमंत्री अजय भट्ट ने रूद्रपुर के अपने एक दिवसीय दौरे पर दिल्ली-नैनीताल हाईवे पर संजय वन चेतना केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मा0 केन्द्रीय मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि लगभग दो वर्ष पूर्व जब मै यहां आया था तब संजय वन की स्थिति बहुत खराब थी, लगभग 30 वर्ष से अधिक के लम्बे समय से यह पर्यटक स्थल बंद पड़ा था। उत्तरखण्ड राज्य के गठन के बाद मैने विचार किया कि क्यो यह ठीक नही हो रहा है? श्री भट्ट ने संजय वन में मुख्य वन संरक्षक (कुमांऊ क्षेत्र), जिलाधिकारी, प्रभागीय वन अधिकारी समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होने कहा कि अभी तक संजय वन के सुधार में 80 लाख रूपये लग चुका है, जिससे आज इस सुन्दर पर्यटक स्थल का कायाकल्प हो रहा है। उन्होने कहा कि अभी इसमें और भी कार्य होने है जिससे संजय वन की सुन्दरता देखते ही बनेगी। उन्होने बताया कि दूरभाष पर वार्ता कर आज ही राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी से संजय वन में विद्युत आपूर्ति हेतु ट्रांसफार्मर के लिए 10 लाख रूपये की मांग रखी है जिसे श्री बलूनी ने शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया है। उन्होने बताया कि सचिव पर्यटन उत्तराखण्ड शासन सचिन खुल्बे जी से इस पर्यटक स्थल को सुन्दर बनाने के लिए पर्यटन विभाग को भी अपना सहयोग देने के लिए वार्ता की जिस पर सचिव पर्यटन श्री खुल्बे ने पूर्ण सहमति जतायी। उन्होने बताया कि 20 लाख रूपये जिला योजना से विगत वर्ष एवं 20 लाख इस वर्ष तथा 40 लाख रूपये जिलाधिकारी ने अनटायड फण्ड से कुल 80 लाख रूपये अभी तक जारी कर दिये है जिससे संजय वन की बदलती तस्वीर हम सब देख पा रहे है। उन्होने बताया कि 25 फरवरी 2024 से पहले उनकी दिली इच्छा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा इस सुन्दर पर्यटक स्थल का श्री गणेश करा सकें। उन्होने कहा कि वह इस विषय में मुख्यमंत्री से वार्ता कर अपना प्रस्ताव शीघ्र रखेंगे। उन्होने कहा कि दिल्ली से नैनीताल जाने वाले पर्यटकों के लिए ऐसा स्थान कही नही है जहां यात्री रूक कर विश्राम कर सके एवं प्रकृति का आनन्द लें सकें। यहां आ कर पर्यटक आनन्दित होगे। उन्होने कहा कि वन विकास निगम के एमडी सुबोधी से वार्ता की है जिस पर सुबोधी ने यहां अतिथि गृह की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। श्री भट्ट ने सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल, विद्युत विभाग, नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करतें हुए अतिशीघ्र संजय वन के कायाकल्प के कार्य को पूर्ण करें। उन्होने अब तक किये गये कार्य के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा, दर्जा राज्यमंत्री उत्तम दत्ता, मुख्य वन संरक्षक वी0 के0 पात्रो, जिलाधिकारी उदय राज सिंह, डीएफओ हिमांशु बांगरी, जिला महामंत्री भाजपा अमित नांरग, सुरेश परिहार, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, एमएनए नरेश दुर्गापाल, एसीएमओ राजेश आर्या, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जमील, जिला उद्यान अधिकारी भावना जोशी, जिला समाज कल्याण अधिकारीअमन अनिरूद्ध, जिला प्रोवेजन अधिकारी व्योमा जैन, सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

वार्षिकोत्सव से पूर्व निकाली भव्य कलश यात्रा

गदरपुर(उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार के 45 वें वार्षिकोत्सव एवं बसंत पंचमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित की जाने वाली श्री राम कथा से पूर्व नगर में विशाल कलश यात्रा निकाली गयी। रविवार को बुध बाजार स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर के 45वें वार्षिकोत्सव एवं बसंत पंचमी के पावन पर्व पर श्री सनातन धर्म सभा,श्री सनातन धर्म महिला संकीर्तन मण्डल एवं श्री सनातन धर्म युवा मंच के तत्वाधान मे श्री रामकथा से पूर्व नगर में विशाल कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा सकैनिया रोड के सामने स्थित सतीमठ मंदिर से प्रारम्भ हुई जो मुख्य बाजार से होते हुए बुध बाजार स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर पर समाप्त हुई। मंदिर में पं. विजय शास्त्री द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ 151 कलशों को स्थापित किया गया। कलश यात्रा में सबसे आगे डीजे द्वारा श्री राम की धुन का संगीत बज रहा था उसके बाद श्री सनातन धर्म मंदिर अध्यक्ष वेदराज बजाज श्री रामकथा ग्रंथ को लेकर चल रहे थे और पीछे महिला मंडल द्वारा कीर्तन एवं 151 सुहागिन महिलायें कलश लेकर चल रही थी। श्रीराम के भजनो से नगर भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा में गुंजन सुखीजा, कपिल, कृष्ण लाल बत्रा,अशोक कुमार भुड्डी,विनोद भुसरी,सोमनाथ छाबड़ा, अनिल भुसरी,अशोक कुमार हुड़िया, अशोक पोपली,राजकुमार सिंधी,दर्शन सिंह नेगी,हरबंस लाल कालड़ा, लेखराज नागपाल,विजय छाबड़ा, सुरेश खुराना,शम्मी बत्रा,ओम प्रकाश गरीब दास,अजय खेड़ा, सीताराम चौहान, हरिचंद छाबड़ा, परमजीत सिंह,सतीश मिड्ढा, संजीव झाम,राकेश भुडडी,रमन छाबड़ा,इंद्रजीत डाबर,ब्रिज मनचंदा, राकेश गुंबर,आरपी ध्यानी,दीपक सुधा, मुनि भुसरी, कृष्ण कालरा,राजमणि यादव ,हैप्पी चंदा,ज्योति छाबड़ा,कविता शर्मा,विशाखा मुरादिया,लक्ष्मी चौहान, निर्मला मित्तल,कविता पांडेय,राजबाला चौहान,रानी सक्सेना,सुनीता बजाज,बीना शर्मा,बबीता शर्मा,प्रियंका मिश्रा,अंजू भुड्डी,दीपा डोडा इंदू रानी,शांति देवी,महिमा,रेखा,खुशी,पूनम प्रसाद, वीना शर्मा,प्रियंका मिश्रा,सुनीता बजाज,मधु नागपाल सहित काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे।श्री सनातन धर्म मंदिर अध्यक्ष वेदराज बजाज ने बताया कि 5 फरवरी दिन सोमवार से 13 फरवरी दिन मंगलवार तक श्री राम कथा सायं 3 बजे से सायं 6 बजे तक वृन्दावन से पधारे कथाव्यास आचार्या नीरजा शरणार्थी जी द्वारा की जायेगी।14 फरवरी को महिला संकीर्तन प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक होगा उसके उपरान्त सत्संग आचार्य नीरजा शरणार्थी जी द्वारा किया जाएगा, दोपहर एक बजे अटूट लंगर होगा। उन्होंने नगर व क्षेत्र की धर्मप्रेमी जनता से इस कथा को श्रवण करने की अपील की है। यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए थाना अध्यक्ष भुवन चंद जोशी एवं महिला एवं पुरुष पुलिस कर्मियों का सहयोग रहा।

राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

काशीपुर(उद संवाददाता)। स्पोर्ट्स स्टेडियम में ओपन राज्य स्तरीय वाडो-काई कराटे चैंपियनशिप 2024 में रक्षा और नव्या ने स्वर्ण पदक जीते। चैंपियनशिप का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तराखंड एथलेटिक्स सलेक्शन कमेटी के चेयरमैन अंतरराष्ट्रीय एथलीट विजेंद्र चौधरी और विशिष्ट अतिथि डॉ. रवि सहोता ने किया। प्रतियोगिता में उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने प्रतिभा किया। इसमें पांच से छह वर्ष आयु वर्ग में बालिका में रक्षा ने स्वर्ण, अपेक्षा ने रजत और गौरवी शर्मा ने कांस्य पदक जीता। नौ से दस वर्ष आयु वर्ग के बालिका वर्ग में नव्या ने स्वर्ण, माही ने रजत और पंछी ने कांस्य पदक जीता। अतिथियों ने विजेताओं और प्रतिभागियों को सम्मानित किया। वहीं इस दौरान मुख्य अतिथि ने चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने पर डॉ. रवि सहोता व नवप्रीत सहोता को सम्मानित किया। वहां मुकेश यादवए सेंसई मनदीप कौर, गोविंद राम, अमित कुमार शर्मा, अनुज कुमार, शुभी, शालिनी शर्मा, विक्रम सिंह आदि मौजूद थे।

जीतू बने राष्ट्रीय योगी सेना के नगर अध्यक्ष

गदरपुर(उद संवाददाता)। राष्ट्रीय योगी सेना की कंबोज धर्मशाला में आयोजित की गई बैठक में गदरपुर नगर इकाई का गठन किया गया । राष्ट्रीय योगी सेना के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर एसपीएस भारद्वाज ने बैठक में जीतू गुप्ता को गदरपुर नगर अध्यक्ष मनोनीत किया। उन्होंने कहा योगी सेना गैर राजनीतिक संगठन के रूप में हर वर्ग के सम्मान के लिए कार्य करता रहेगा। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने नवमनोनीत नगर अध्यक्ष जीतू सैनी का फूल मालाओं से स्वागत किया। बैठक जिलाध्यक्ष चंद्रपाल कोली, ग्रामीण जिलाध्यक्ष संजय चौधरी, जिला महामंत्री किशन यादव, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुड़िया ने भी संबोधित किया इस दौरान उमेश गुप्ता, धर्मेंद्र कश्यप, पूनम गुप्ता, कमला देवी आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से मचाया धमाल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप स्थित इण्डियन पब्लिक जूनियर हाई स्कूल के वार्षिकोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर विद्यार्थियों ने ऐसा धमाल मचाया कि उपस्थित गणमान्य अतिथि व अभिभावक अभिभूत हो गए। विद्यालय का वार्षिक समारोह धूम-धाम से आयोजित किया गया। समारोह का उद्घघाटन मुख्य अतिथि पद्मश्री लवराज सिंह धर्मशक्तू, विद्यालय प्रबन्धक देवाशीष मंडल एव प्रधानाचार्य प्रदीप शाहा के द्वारा प्रज्वलित कर किया गया। इस के अवसर पर छात्र-छात्राओ द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक, देश भक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, एंव अतिथियों का स्वागत गीत के द्वारा किया गया। प्रधानाचार्य प्रदीप शाहा ने विद्यालय की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। बच्चों द्वारा भारतीय संस्कृति को दर्शाते और हमारे देश पर मर मिटने वाले वीरो को याद करते हुए देश भक्ति तथा कुछ साल पहले जूझ रहे कोरोना वायरस से व्यक्ति डॉक्टर पर बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। सोशल मीडिया का ज्यादा प्रयोग होने के कारण बच्चों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव, बच्चियों की सुरक्षा को लेकर तथा अनाथ बच्चों पर दिल छू लेने वाली प्रस्तुति देकर अभिभावको को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। इस अवसर कार्यक्रम अध्यक्ष राम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि बच्चों ने सराहनीय कार्यक्रम प्रस्तुत किए। भारतीय संस्कृति को दर्शाते हुए कुमाउनी नृत्य पंजाबी नृत्य, राजस्थानी नृत्य, बांग्ला नृत्य, शिव नृत्य, राधा-कृष्ण नृत्य तथा नन्हें- नन्हें बच्चों द्वारा सुंदर प्रस्तुति से अभिभावको का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथिमुख्य अतिथि पदम श्री लवराज धर्मशक्लू तथा अतिथि विशिष्ट नीलिमा राय, प्रेमा विश्वास, मिनती रानी, मृण्मोय मंडल , निखिल भारती, ईशु भारती, सत्यप्रकाश चौहान, डा. सुमित राय आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक मैजिक शो मृण्मोय मंडल द्वारा दिखाया गया। समारोह के अंत में विद्यालय प्रबंधक देवाशीष मंडल ने सभी छात्र छात्राओं, अतिथियो तथा अभिभावको को धन्यवाद देकर समारोह को समाप्त किया। इस दौरान केवल कृष्ण भारती, अरुणा बैरागी, गोपाल सिंह पटवाल, अमित गहलौत, संजय पाल, केवल कृष्ण भारती, हेमलता साहा, अदिती शाहा, आदित्य साहा, हेमा, सचिन मण्डल, अरुणा वैरागी, राजकुमार, राजीव कुमार, संगीता, महेन्द्र गंगवार, रीता देवी, मालीना विश्वास, रचनावती, नेहा, बिन्दी, दीपा विश्वास, दीपा हाल्दार, रीना, मोहिनी, खुशी, शिवानी, सरोज, ज्योति, रेनु, प्रकाश सिंह, कल्याणी, नीलम आदि मौजूद थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

उत्तराखंड में यूसीसी

उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां समान नागरिक संहिता लागू होगी। इसका मसविदा तैयार करने के लिए गठित समिति ने मुख्यमंत्री को अपनी रपट सौंप दी है। प्रस्तावित कानून में आदिवासी समूहों को छोड़ कर सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, संपत्ति के अधिकार, उत्तराधिकार आदि के समान नियम होंगे। इस मसविदे में समानता द्वारा समरसता लाने का दावा किया गया है। समान नागरिक संहिता लागू करने का मुद्दा आजादी के बाद से ही उठता रहा है, मगर तमाम विचार-विमर्शों के बाद भी इसका कोई अंतिम स्वरूप तय नहीं हो सका। इसलिए सर्वोच्च अदालत ने भी इसे एक तरह से निष्क्रिय विषय मान लिया था। मगर चूंकि भाजपा के घोषणापत्र में सदा से राममंदिर, अनुच्छेद तीन सौ सत्तर और समान नागरिक संहिता लागू करने का वचन रेखांकित किया जाता रहा है, वह इसे लेकर मंथन करती रही है। उत्तराखंड में भी विधानसभा चुनावों में इसे लागू करने का वादा किया गया था। सरकार बनने के बाद मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ही इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में पांच सदस्यों की मसविदा समिति गठित कर दी गई थी। समिति ने विभिन्न वर्गों से बातचीत और जनमत सर्वेक्षण के आधार पर बहुविवाह, तलाक, उत्तराधिकार आदि से जुड़े मामलों पर अपनी राय कायम की है। हालांकि तीन तलाक को कानूनी रूप से अपराध की श्रेणी में केंद्र सरकार पहले ही डाल चुकी है, इसलिए इसे लेकर बहुत विवाद नहीं है। मुसलिम पर्सनल कानून के तहत बहुविवाह और उत्तराधिकार को लेकर मुसलिम समाज में भी बहुत जिद नहीं नजर नहीं आती। मुसलिम समाज का एक बड़ा धड़ा तो उत्तराधिकार संबंधी उन्हीं नियमों का पालन करता है, जिन्हें हिंदू मानते आए हैं। मुस्लिम समाज में अब बहुविवाह के पक्ष में दबाव कम देखा जा रहा है फिर, मुसलिम समाज अब पढ़-लिख कर विवाह और तलाक संबंधी पुरानी मान्यताओं से काफी बाहर निकल चुका है। वह खुद बहुविवाह के पक्ष में कम देखा जाने लगा है। इसलिए उत्तराखंड सरकार को इन मामलों में शायद ही कोई चुनौती मिले। उसने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर किसी प्रकार का कानून बनाने से परहेज किया और उसका निर्णय केंद्र के पाले में डाल दिया है। मगर समान नागरिक संहिता लागू करना इतना आसान मामला शायद ही हो पाए, क्योंकि उत्तराधिकार और संपत्ति के बंटवारे को लेकर हिंदू समाज के भीतर ही अलग-अलग समुदायों में अलग-अलग नियम और परंपराएं हैं। हालांकि पिता की संपत्ति में पुत्री के समान अधिकार का कानून बहुत पहले बन गया था, उससे उत्तराधिकार का मसला भी काफी हद तक सुलझ गया था, मगर अनेक समुदायों में इसका निधरिण उनमें प्रचलित रीति-रिवाजों के अनुसार होता है। खासकर दत्तक अधि नियम को लेकर हिंदू और मुसलिम समुदाय में अंतर है। इसी तरह अनेक समुदायों में इसे लेकर भेद हैं। पूर्वोत्तर के इसाई बहुल राज्यों में व्यक्तिगत कानून भिन्न हैं। अलग-अलग राज्यों में वहां की आबादी के हिसाब से व्यक्तिगत कानून लागू हैं। हालांकि माना जा रहा है कि अगर उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता सफलतापूर्वक लागू हो गई, तो वह दूसरे राज्यों के लिए नजीर बन सकती है। मगर चूंकि यह समवर्ती सूची का मामला है, केंद्र सरकार के सामने व्यक्तिगत कानूनों में समानता लाकर समाज में समरसता लाने की चुनौतियां बनी रहेंगी।

चारधाम समेत पर्यटन स्थालों पर भारी बर्फबारी

औली और मसूरी में बर्फबारी का लुत्फ उठाने पहुंचे पर्यटक

देहरादून। उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। रविवार को ऊंचाई वाले इलाकों में जहां जमकर बर्फबारी हुई वहीं निचले इलाकों में दिनभर रुक-रुककर बारिश होती रही। जिसके कारण पूरे प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को चारों धामों समेत औली, हर्षिल, चौरंगीखाल, चोपता, रूपकुंड, वेदनी बुग्याल में जमकर बर्फबारी हुई। बारिश और बर्फबारी के चलते गंगोत्री हाईवे समेत कई रास्ते बंद हो गए हैं, वहीं कई ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई है। रूपकुंड, वेदनी बुग्याल व बगुवावासा में तीन से चार फीट बर्फबारी होने से यह जगह पर्यटकों के लिए बंद हो गई है। केदारनाथ धाम में चारों तरफ बर्फ की मोटी चादर बिछ चुकी है। रविवार को यहां दिनभर बर्फ गिरती रही। इस दौरान लगभग एक फीट नई बर्फ गिरी। धाम में अभी तक कुल चार फीट तक बर्फ जमा हो चुकी है। उधर, द्वितीय केदार मद्महेश्वर और तृतीय केदार तुंगनाथ सहित अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी जमकर बर्फबारी हो रही है। गौरीकुंड, त्रियुगीनारायण, तोषी, चिलौंड, चौमासी आदि गांवों में भी हल्की बर्फबारी हुई है। वहीं, निचले आबादी वाले इलाकों में बारिश से ठंड बढ़ गई है। द्वितीय केदार मद्महेश्वर और तृतीय केदार तुंगनाथ से लेकर चंद्रशिला तक भी दो से ढाई फीट बर्फ गिर चुकी है। पर्यटक स्थल चोपता में भी दिनभर बर्फबारी होती रही। कालीशिला, हरियाली

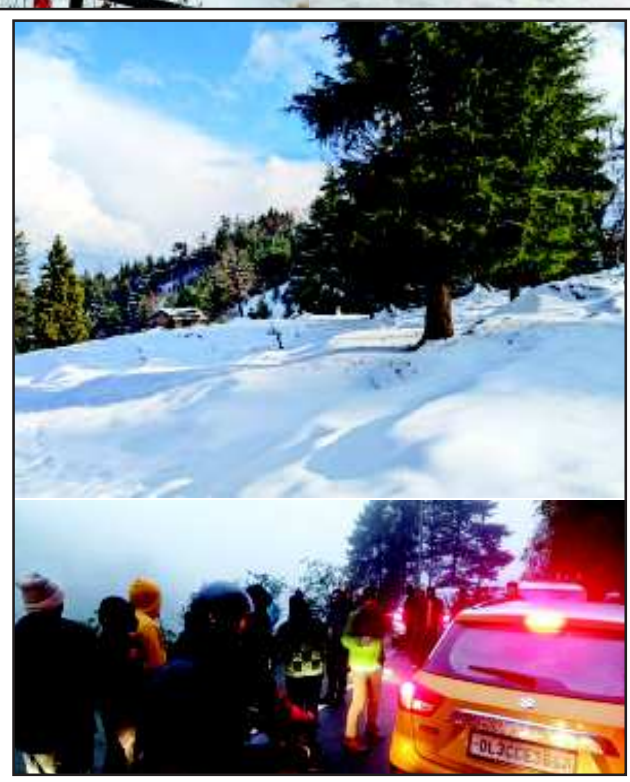

डांडा सहित अन्य ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी जमकर बर्फबारी हुई है, जिससे निचले इलाकों में शीतलहर बढ़ गई है। दूसरी तरफ जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग, तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि, ऊखीमठ, मयाली, जखोली, बसुकेदार क्षेत्र में दिनभर रुक-रुककर कभी हल्की तो कभी मध्यम बारिश होती रही। चमोली जनपद में शनिवार रात से ही बारिश और बर्फबारी हो रही है। बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नंदा घुंघटी के साथ ही नीती और माणा घाटी के गांवों में रविवार को दिनभर बर्फबारी हुई, जबकि निचले क्षेत्रों में जोरदार बारिश हुई। गोपेश्वर में अपराह्न तीन बजे करीब पंद्रह मिनट तक ओलावृष्टि भी हुई। ईराणी गांव के ग्राम प्रधान मोहन सिंह नेगी ने बताया कि कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोग अपने घरों में ही दुबके रहे, जिससे बाजारों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। व्यापारियों व राहगीरों ने ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी होने से महिलाओं को चारापत्ती की व्यवस्था करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। औली में बर्फबारी के बीच पर्यटकों की आवाजाही भी बनीं हुई है। रविवार को करीब 400 पर्यटक औली पहुंचे और बर्फ का जमकर लुत्फ उठाया। पर्यटकों ने एक दूसरे पर बर्फ के गोले बनाकर फेंके तो कुछ बर्फ से स्नो मैन बनाकर झूम उठे। औली में इस वर्ष की दूसरी बर्फबारी हुई है। बर्फबारी के बाद यहां पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इससे पर्यटन व्यवसायियों के चेहरे भी खिल गए हैं। भारी बर्फबारी के चलते गंगोत्री हाईवे सुक्की से आगे बंद हो गया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल का कहना है कि सुक्की में गंगोत्री हाईवे खोलने के लिए बीआरओ की मशीनरी कार्य कर रही है। मसूरी में लगातर बर्फबारी से पर्यटक उमड़ने लगे है। वहीं पुलिस जाम खोलने में लगी लेकिन पर्यटकों की भीड़ के सामने पुलिस व्यवस्था कम पड़ रही है। थानाध्यक्ष थत्यूड़ विनोद कुमार ने बताया कि वाहनों को अन्य मार्गों से देहरादून भेजा जा रहा है। क्षेत्र में गश्त जारी है।

सदगुरू के नजरे-करम से मिलती है शांति

नजरे-करम या सत्गुरु का दर्शन इतना प्रभावशाली क्यों होता है? इसका अनुभव वही लोग करते हैं जिन पर अपने सत्गुरु की नजरे-करम पड़ती है या फिर वो उस दृष्टि को पाने के लिए तरसता है। जब शिष्य उस नजरे-करम से जुदा हो जाता है तो उस समय वह अपने सत्गुरु

के वियोग में विरह का अनुभव करता है। जिस किसी ने अपने सत्गुरु से जुदाई का अनुभव किया हो, वह जानता है हर पल, हर क्षण उनकी नजरे-करम के बिना रहना कितना मुश्किल होता है। जैसे एक दूध पीते बच्चे को उसकी माँ से अलग कर दिया जाए तो वह बच्चा तब तक रोता है, जब तक कि वह अपनी माँ से नहीं मिल जाता। ठीक इसी तरह जब शिष्य के अंदर सत्गुरु से मिलने की तीव्र इच्छा जागृत होती है तो उसका ध्यान बाहरी दुनिया के आकर्षणों व चीजों से हटकर अंतर में दिव्य-प्रेम की खोज में लग जाता है और उसे तब तक शांति नहीं मिलती जब तक कि वह अपने सत्गुरु की नजरे-करम प्राप्त नहीं करता। जब शिष्य सत्गुरु की प्रेम भरी नजर प्राप्त करता है तो उसकी आत्मा को अंतर के मंडलों में उड़ान भरने के लिए उभार मिलता है। इसीलिए हजारों लोग दुनिया के कोने-कोने से एक संत-सत्गुरु से मिलने आते हैं और घंटों तक उनके दर्शन की चाह में इंतजार करते हैं क्योंकि उनकी आत्मा अपने सत्गुरु की नजरे-करम पाना चाहती है। एक शिष्य जब अपने सत्गुरु की नजरे-करम पाता है तो उसकी आत्म-जागृति हो जाती है। ऐसा शिष्य इस दुनिया की नश्वरता को अनुभव करता है। फिर वह अपने मन का कैदी नहीं होता तथा न ही इस संसार की किसी वस्तु की चाह रखता है क्योंकि वो अपनी आत्मा की असलियत को जानने लगता है। वो यह भी जान जाता है कि उसकी आत्मा पिता-परमेश्वर की अंश है और संत-सत्गुरु की नजरे-करम के जरिये ही वे प्रभु से मिल सकती है। वह जल्दी से जल्दी अपनी आत्मा का मिलाप पिता-परमेश्वर से कराना चाहता है। उसे इस बात की पूरी समझ है कि एक संत-सत्गुरु की नजरे-करम पाना कितना जरूरी है। नजरे-करम आत्मा के प्याले में मधुर अमृत को डालने जैसा है। यह एक ऐसी मिठास है जो हमारे रोम-रोम में समा जाती है और हमें ऐसी ऊर्जा से भर देती है जिससे कि हमारी आत्मा प्रभु की ओर अग्रसर होती है। कुछ व्यक्ति शराब और नशीले पदार्थों का सेवन करके नशा करते हैं। वे ऐसा क्यों करते हैं? क्योंकि वे सुख पाना चाहते हैं। वे यह नहीं समझ पाते कि जो सुख उन्हें बाहरी शराब का सेवन करने से प्राप्त होता है, वह प्रभु-प्रेम की मदिरा से कई गुण तुच्छ है। इसके अलावा दुनियावी शराब और नशीले पदार्थों का नशा अधिक देर तक नहीं रहता। इसके साथ-साथ इनके सेवन से हमें गंभीर नुकसान भी होते हैं लेकिन प्रभु-प्रेम के नशे के परिणाम केवल लाभकारी होते हैं। जो व्यक्ति एक बार प्रभु के प्रेम को अनुभव कर लेते हैं, वो उस अवस्था को फिर से पाना चाहते हैं। यह अनुभव हमारी आत्मा को इस संसार से परे अंतर के मंडलों में ले जाता है, जहाँ आनंद ही आनंद है और मदहोशी ही मदहोशी है। सत्गुरु की नजरे-करम एक ऐसा अनुभव है जो हमें ध्यान-अभ्यास में भी मदद करता है क्योंकि इसके द्वारा हमें अपने मन को शांत करने में सहायता मिलती है। जब सत्गुरु की एक नजर हमारी आत्मा पर पड़ती है तो हममें आध्यात्मिक जागृति आती है। हम प्रभु के प्रेम का अनुभव करते हैं और फिर हमारे लिए प्रभु के पास वापिस जाने के द्वार खुल जाते हैं। जिस किसी शिष्य पर भी सत्गुरु की ऐसी नजरे-करम पड़ जाए और अगर उसे वह पूरी तरह से जज्ब कर पाएं तो ऐसा शिष्य सचमुच बहुत भाग्यशाली होता है। जब हम सत्गुरु के पास होकर उनकी नूरानी आँखों से प्रभु के दिव्य-प्रेम के जाम पीते हैं तो हम काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों से दूर हो जाते हैं। हम शुद्ध और साफ पानी के प्रवाह जैसे बन जाते है और फिर हमसे वही प्रेम दुनिया में प्रवाहित होने लगता है। ऐसा अनुभव पाने के लिए सत्गुरु के सत्संग में हमें एक खाली प्याले की भांति होना चाहिए। यदि हम पात्र बनकर अपने सत्गुरु के दर्शन करते हैं तो फिर हमारी आत्मा पर पड़े मन-माया के सभी पर्दे हट जाते हैं। हमारी आत्मा शरीर में कैद रहना नहीं चाहती बल्कि वह हमेशा अपने सत्गुरु की याद में रहना चाहती है क्योंकि हमारे सत्गुरु प्रभु में लीन हैं और वे हमारी आत्मा को भी प्रभु में लीन करा सकते हैं। इसलिए जो भाई-बहन संत-सत्गुरु की शरण में जाते हैं वे उनकी नजरे-करम पाने के लिए उनकी उपस्थिति में बैठना पसंद करते हैं ताकि वे अपने सत्गुरु की दया-भरी दृष्टि को पाकर उनमें लीन हो सकें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

पहाड़ी क्षेत्रों के लिए ड्रोन मेडिकल सेवा शुरू

ऋषिकेश। आपात स्थिति में किसी दूरस्थ स्थान पर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाना अब बीते जमाने की बात हो जाएगी। अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) ने नियमित ड्रोन सेवा शुरू कर दी है। एम्स ऋषिकेश मेडिकल ड्रोन सेवा नियमित शुरू करने वाला देश का पहला चिकित्सा संस्थान बन गया है।इससे उत्तराखंड के पहाड़ी दूरस्थ क्षेत्रों में आपात स्थिति के दौरान गंभीर बीमारी की दवाएं या दुर्घटना में गंभीर घायल के लिए ब्लड कंपोनेंट कुछ ही मिनटों में पहुंचाया जा सकेगा। एक फरवरी से एम्स ऋषिकेश में नियमित ड्रोन मेडिकल सेवा शुरू हो गई है। एम्स से ड्रोन दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए उड़ान भरेगा। ड्रोन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गंभीर बीमारियों की दवाइयों के साथ ही ब्लड या ब्लड कंपोनेंट भी ले जाएगा। एम्स की इस सेवा से प्रदेश के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को जोड़ा जाएगा। ड्रोन मेडिकल सेवा के नोडल डॉ. जितेंद्र गैरोला ने बताया, अभी सेवा की शुरुआत सीएचसी चंबा से की गई है। चंबा के लिए ड्रोन तीन उड़ानें भर चुका है। बताया, इन तीनों उड़ानों में दवाइयां भेजी गई हैं। बता दें कि नियमित ड्रोन सेवा शुरू करने से पहले एम्स प्रशासन ने चार बार ट्रायल किया। डॉ. गैरोला ने बताया, मेडिकल ड्रोन सेवा के लिए टिहरी, चंबा, हिंडोला खाल और यमकेश्वर के लिए मैपिंग हो चुकी है। इन स्थानों के लिए पाथ तैयार कर लिया गया है। अन्य स्थानों के लिए भी पाथ तैयार किया जा रहा है। यह सेवा अभी शुरुआती दौर में हैं। इस सेवा में महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं की भूमिका भी अहम होगी। एम्स से जिस पहाड़ी स्वास्थ्य केंद्र में ड्रोन से दवाइयां आदि भेजी जाएंगी, वहां ड्रोन से सामग्री उतारना या इस पर सामग्री चढ़ाने का कार्य महिलाएं करेंगी। इसके लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार और एनएचएसआरसी की ओर से प्रशिक्षण दिया गया है। भविष्य में यही महिलाएं ड्रोन भी उड़ाएंगी। इन महिलाओं को नमो ड्रोन दीदी का नाम दिया गया है।

ज्वेलरी शॉप में घुसे तीन बदमाशों को दबोचा

विकासनगर। देहरादून के विकासनगर में तमंचे के बल पर तीन बदमाशों ने ज्वेलरी शॉप में लूट की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया, लेकिन बहादुरी दिखाते हुए सर्राफा व्यापारी तमंचा लिए बदमाश से भिड़ गए। आस-पास के दुकानदारों के सहयोग से बदमाश को दबोच लिया गया, लेकिन दो बदमाश मौके से फरार हो गए। इसके बाद आसन बैराज के समीप बदमाशों के साथ हुई पुलिस की मुठभेड़ के बाद दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जवाब में पुलिस टीम ने भी फायरिंग की। जिसमें गोलियां दोनों बदमाशों के पैरों में लग गई। जिन्हें उपचार के लिए उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश जहांगीर और सौरभ दोनों निवासी कोतवाली सिटी सहारनपुर के रहने वाले हैं। जहांगीर पर सहारनपुर में विभिन्न धराओं में 21 मुकदमें दर्ज हैं। एसएसपी अजय सिंह ने भी मुठभेड़ स्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार, लक्ष्मणपुर चौक विकासनगर में संजीव राणा की ज्वेलर्स की दुकान है। रविवार की शाम करीब छह बजे तीन लोग खरीदारी करने के बहाने से दुकान में पहुंचे। सभी ने कंबल ओढ़ा हुआ था। इस

दौरान दुकान में संजीव राणा और उनकी महिला कर्मचारी भी मौजूद थीं। इस बीच एक बदमाश ने अचानक तमंचा निकाल कर संजीव राणा पर तान दिया।महिला कर्मचारियों को गोली मारने की धमकी दी। इस बीच तमंचा लिए बदमाश ने बट से संजीव राणा के चेहरे पर वार कर दिया। संजीव राणा भी बदमाश से भिड़ गए। उनकी बदमाश के साथ करीब दो से तीन मिनट तक हाथापाई हुई। इस दौरान बदमाश ने उनके चेहरे पर बट से कई बार वार किए। यह देख दो अन्य बदमाश वहां से भाग खड़े हुए।

सभी नागरिकों के लिए साझा कानून

विधि आयोग ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दे 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) पर लोगों तथा मान्यता प्राप्त संगठनों के सदस्यों समेत विभिन्न हितधारकों के विचार आमंत्रित कर इस विषय पर नए सिरे से परामर्श की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पहले 21वें विधि आयोग ने इस मुद्दे की पड़ताल की थी, उसके परिणामों पर ही राय-मशिवरा किया जाएगा। अगस्त 2018 में इस आयोग का कार्यकाल भी पूरा हो गया था। इसके बाद परिवार संबंधी कानूनों में सुधार के लिए 2018 में एक परामर्श पत्र जारी किया गया था। आयोग ने इस संदर्भ में एक सार्वजनिक सूचना पत्र जारी करने की तिथि से तीन वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद, मुद्दे की प्रासंगिकता एवं महत्व और इस विषय पर विभिन्न अदालती आदेशों को ध्यान में रखते हुए 22वें विधि आयोग ने नए सिरे से पहल शुरू की है। अब यह आयोग एक बार फिर समान नागरिक संहिता पर व्यापक स्तर पर व्यक्तियों और मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों से विचार विमर्श करेगा। समान नागरिक संहिता का मतलब देश के सभी नागरिकों के लिए एक साझा कानून अस्तित्व में लाने से है। इसका आधार ध र्म और परंपराएं नहीं रहेंगी। धर्म और परंपराओं के हस्तक्षेप के चलते, अनेक विसंगतियां पेश आती रही हैं। इस कारण अदालतों को भी फैसला देने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। हालांकि उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी समान नागरिक संहिता तैयार करने में जुटे हैं। दरअसल समान नागरिक संहिता वह प्रस्तावित कानून है, जिसके अंतर्गत पूरे देश के सभी नागरिकों को एक समान कानूनी अधिकार मिलेंगे। इस कानूनी एकरूपता से विसंगतियां दूर होंगी और अदालतों को फैसला देने में सुविधा रहेगी। इस कानून के तहत सभी धर्मों और पंथ के लोगों के लिए विवाह, विवाह-विच्छेद, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे मामलों में एक समान नियम लागू किए जाएंगे। करीब आठ महीने बैठकों में चले विचार-विमर्श के बाद विधि आयोग ने समान नागरिकता का एक साझा प्रारूप तैयार किया है। इसी पर 22वें विधि आयोग में राय लेने का सिलसिला शुरू हुआ है। एक माह के भीतर इस प्रारूप पर विधि आयोग को सुझाव भेजे जा सकते हैं। संविधान में दर्ज नीति-निर्देशक सिद्धांत भी यही अपेक्षा रखता है कि समान नागरिकता लागू हो। जिससे देश में रहने वाले हर व्यक्ति के लिए एक ही तरह का कानून वजूद में आ जाएं जो सभी धर्मों, संप्रदायों और जातियों पर लागू हों। आदिवासी और घुमंतू जातियां भी इसके दायरे में आएंगी। केंद्र में सत्तारूढ़ राजग सरकार से यह उम्मीद ज्यादा इसलिए है, क्योंकि यह मुद्दा भाजपा के बुनियादी मुद्दों में शामिल है। उत्तराखंड राज्य सरकार अपनी समान नागरिक संहिता लाने में लगी है, वहीं भाजपा ने कर्नाटक विध ानसभा चुनाव से पहले राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था। इसमें सबसे बड़ी चुनौतियां बहुधर्मों के व्यक्तिगत कानून और वे जातीय मान्यताएं हैं, जो विवाह, परिवार, उत्तराधिकार और गोद जैसे अधिकारों को दीर्घकाल से चली आ रही क्षेत्रीय, सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को कानूनी स्वरूप देती हैं। इनमें सबसे ज्यादा भेद महिलाओं से बरता जाता है। एक तरह से ये लोक प्रचलित मान्यताएं महिला को समान हक देने से खिलवाड़ करती हैं। लैंगिक भेद भी इनमें स्पष्ट परिलक्षित रहता है। मुस्लिमों के विवाह व तलाक कानून महिलाओं की अनदेखी करते हुए पूरी तरह पुरुषों के पक्ष में हैं। ऐसे में इन विरो धाभासी कानूनों के तहत न्यायपालिका को सबसे ज्यादा चुनौती का सामना करना पड़ता है। अदालत में जब पारिवारिक विवाद आते हैं तो अदालत को देखना पड़ता है कि पक्षकारों का धर्म कौनसा है और फिर उनके धार्मिक कानून के आधार पर विवाद का निराकरण करती हैं। इससे व्यक्ति का मानवीय पहलू तो प्रभावित होता ही है, अनुच्छेद 44 की भावना का भी अनादर होता है। दरअसल ब्रिटिश कालीन भारत-1772 में सभी धार्मिक समुदायों के लिए विवाह, तलाक और संपत्ति के उत्तराधि कार से जुड़े अलग-अलग कानून बने थे, जो आजादी के बाद भी अस्तित्व में हैं। हालांकि अब तीन तलाक खत्म कर दिया गया है। वैसे तो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का बुनियादी मूल्य समानता है, लेकिन बहुलतावादी संस्कृति, पुरातन परंपराएं और ध र्मनिरपेक्ष राज्य अंतत:कानूनी असमानता को अक्षुण्ण बनाए रखने का काम करते रहे हैं। इसलिए समाज लोकतांत्रिक प्रणाली से सरकारें तो बदल देता है, लेकिन सरकारों को समान कानूनों के निर्माण में दिक्कतें आती हैं। इस जटिलता को सत्तारूढ़ सरकारें समझती हैं। संविधान के भाग-4 में उल्लेखित राज्य-निदेशक सिद्धांतों के अंतर्गत अनुच्छेद-44 में समान नागरिक संहिता लागू करने का लक्ष्य निर्धारित है। इसमें कहा गया है कि राज्य भारत के संपूर्ण क्षेत्र में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता पर क्रियान्वयन कर सकता है। किंतु यह प्रावधान विरोधाभासी है, क्योंकि संविधान के ही अनुच्छेद-26 में विभिन्न धर्मावलंबियों को अपने व्यक्तिगत प्रकरणों में ऐसे मौलिक अधि कार मिले हुए हैं,जो धर्म-सम्मत कानून और लोक में प्रचलित मान्यताओं के हिसाब से मामलों के निराकरण की सुविधा धर्म संस्थाओं को देते हैं। इसलिए समान नागरिक संहिता की डगर कठिन है। क्योंकि धर्म और मान्यता विशेष कानूनों के स्वरूप में ढ़लते हैं तो धर्म के पीठसीन ;मंदिर,मस्जिद और चर्च के मुखियाद्ध अपने अधिकारों को हनन के रूप में देखते हैं। इस्लाम और ईसाइयत से जुड़े लोग इस परिप्रेक्ष्य में यह आशंका भी व्यक्त करते हैं कि यदि कानूनों में समानता आती है तो इससे बहुसंख्यकों, मसलन हिंदुओं का दबदबा कायम हो जाएगा। जबकि यह परिस्थिति तब निर्मित हो सकती है, जब बहुसंख्यक समुदाय के कानूनों को एकपक्षीय नजरिया अपनाते हुए अल्पसंख्यकों पर थोप दिया जाए, जो पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था में कतई संभव नहीं है। विभिन्न पर्सनल कानून बनाए रखने के पक्ष में यह तर्क भी दिया जाता है कि समान कानून उन्हीं समाजों में चल सकता है,जहां एक धर्म के लोग रहते हों ? भारत जैसे बहुधर्मी देश में यह व्यवस्था इसलिए मुश्किल है, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता के मायने हैं कि विभिन्न धर्म के अनुयायियों को उनके धर्म के अनुसार जीवन जीने की छूट हो ? इसीलिए धर्मनिरपेक्ष शासन पद्धति, बहुधार्मिकता और बहुसांस्कृतिकता को बहुलतावादी समाज के अंग माने गए हैं। इस विविधता के अनुसार समान अपराध प्रणाली तो हो सकती है, किंतु समान नागरिक संहिता संभव नहीं है ? इस दृष्टि से देश में 'समान दंड प्रक्रिया संहिता' तो बिना किसी विवाद के आजादी के बाद से लागू है, लेकिन समान नागरिकता संहिता के प्रयास अदालत के बार-बार निर्देश के बावजूद संभव नहीं हुए हैं। इसके विपरीत संसद निजी कानूनों को ही मजबूती देती रही है। अब कई सामाजिक और महिला संगठन अर्से से मुस्लिम पर्सनल लॉ पर पुनर्विचार की जरूरत जता रहे हैं। इसी मांग का परिणाम तीन तलाक का समापन है। मुस्लिमों में बहुविवाह पर रोक की मांग भी उठ रही है। यह अच्छी बात है कि शीर्ष न्यायालय ने भी इस मसले पर बहस और कानून की समीक्षा की जरूरत को अहम् माना है। ऐसा इसलिए संभव हुआ क्योंकि खुद मुस्लिम समाज के भीतर पर्सनल लॉ को लेकर बेचैनी बढ़ी है। ऐसे महिला और पुरुष बड़ी संख्या में आगे आए हैं, जो यह मानते है कि पर्सनल लॉ में परिवर्तन समय की जरूरत है। इस परिप्रेक्ष्य में मुस्लिम संगठनों की प्रतिनिधि संस्था ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस-ए-मुशावरत ने भी अपील की थी कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और उलेमा मुस्लिम पर्सनल लॉ में सुधार किए जाएं। इस्लाम के अध्येता असगर अली इंजीनियर मानते थे कि भारत में प्रचलित मुस्लिम पर्सनल लॉ दरअसल 'ऐंग्लो मोहम्मडन लॉ' है, जो फिरंगी हुकूमत के दौरान अंग्रेज जजों द्वारा दिए फैसलों पर आधारित है। लिहाजा इसे संविधान की कसौटी पर परखने की जरूरत है। दरअसल देश में जितने भी धर्म व जाति आधारित निजी कानून हैं, उनमें से ज्यादातर महिलाओं के साथ लैंगिक भेद बरतते हैं। बावजूद ये कानून विलक्षण संस्कृति और धार्मिक परंपरा के पोशक माने जाते हैं, इसलिए इन्हें वैधानिकता हासिल है। इनमें छेड़छाड़ नहीं करने का आधार संविधान का अनुच्छेद-25 बना है। इसमें सभी नागरिकों को अपने धर्म के पालन की छूट दी गई है। दरअसल संविधान निर्माताओं ने महसूस किया था कि विवाह और भरण-पोषण से जुड़े मामलों का संबंध किसी पूजा-पद्धति से न होकर इंसानियत से है। लिहाजा यदि कोई निसंतान व्यक्ति बच्चे को गोद लेकर अपनी वंष परंपरा को आगे बढ़ाना चाहता है अथवा इससे उसे सुरक्षा बोध का अहसास होता है तो यह किसी धर्म की अवमानना कैसे हो सकती है ? यदि किसी कानून से किसी महिला को सामाजिक सुरक्षा मिलती है या पति से अलग होने के बाद उसे दरबदर भटकने की बजाय गुजारे भत्ते की व्यवस्था की जाती है तो इसमें उसका धर्म आड़े कहां आता है ? स्त्री-पुरुष के दांपत्य संबंध ों में यदि समानता और स्थायित्व तय किया जाता है तो इससे किसी भी सभ्य समाज की गरिमा ही बढ़ेगी, न कि उसे लज्जित होना पड़ेगा ? लेकिन इस लैंगिक भेद को वर्तमान स्थिति से समझने की जरूरत है। मान लीजिए यदि किसी व्यक्ति की चार बेटियां है तो शादी से पहले चारों के समान अधिकार होते हैं। वहीं यदि एक बेटी हिंदु, मुस्लिम, तीसरी पारसी और चौथी ईसाई से विवाह करती है तो चारों के अधिकार भिन्न-भिन्न हो जाएंगे। तय है, यह कानूनी विषमता है और संविधान में दिए गए धर्मनिरपेक्षता व समानता के सिद्धांत की अवज्ञा हैं। ईसाई समाज में युवक-युवती ने यदि चर्च में शादी की है, तो उनको चर्च में आपसी सहमति से संबंध-विच्छेद का अधिकार है। किंतु यह सुविधा 'हिंदु विवाह अधिनियम' में नहीं है। यदि हिंदु युगल मंदिर में स्वयंवर रचाते हैं और कालांतर में उनमें तालमेल नहीं बैठता है तो वे चर्च की तरह मंदिर में जाकर आपसी सहमति से तलाक नहीं ले सकते ? उन्हें परिवार न्यायालय में कानूनी प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही तलाक मिलता है। जबकि यदि हम परंपरा को कायम रखना चाहते हैं तो मंदिरों को तलाक का अधिकार भी देना चाहिए ? हिंदुओं में खाप पंचायतें एक गोत्र में शादी करने की प्रबल विरोधी हैं। कई जनजातियां अपनी लोक मान्यताओं के अनुसार गांव और जाति से बाहर विवाह को वर्जित मानती हैं। हालांकि जैसे-जैसे धर्म समुदाय शिक्षित होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे निजी कानून और मान्यताएं निष्प्रभावी होती जा रही हैं। पढ़े-लिखे मुस्लिम अब शरिया कानून के अनुसार न तो चार-चार शादियां करते हैं और न ही तीन बार तलाक बोलकर पति-पत्नि में संबंध विच्छेद बड़ी संख्या में हो पा रहे हैं। हिंदू समाज का जो पिछड़ा तबका शिक्षित होकर मुख्यधारा में शामिल हो गया है, उसने भी लोक में व्याप्त मान्यताओं से छुटकारा पा लिया है। कुछ मामलों में उच्च और उच्चतम न्यायालओं ने भी ऐसी व्यवस्थाएं दी हैं,जिनके चलते हरेक ध र्मावलंबी के लिए व्यक्तिगत रूप से संविधान-सम्मत धर्मनिरपेक्ष कानूनी व्यवस्था के अनुरूप कदमताल मिलाने के अवसर खुलते जा रहे हैं। बहरहाल समान नागरिक संहिता का प्रारूप तैयार करते वक्त व्यापक राय-मशिवरे की जरूरत तो है ही, यत्र-तत्र-सर्वत्र फैली लोक-परंपराओं और मान्यताओं में समानताएं तलाशते हुए,उन्हें भी विधि -सम्मत एकरूपता में ढालने की जरूरत है। ऐसी तरलता बरती जाती है तो शायद निजी कानून और मान्यताओं के परिप्रेक्ष्य में अदालतों को जिन कानूनी विसंगतियों और जटिलताओं का सामना करना पड़ता है,वे दूर हो जाएं ?

-प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

पेज एक का शेष...

विधानसभा सत्र शुरू...है क्या शख्स जमाने से उठा। आज वो भले हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उन्होंने अपने क्षेत्र में जो काम किये हैं, हम सब उनको आगे बढ़ाएंगे। सीएम ने स्व. मोहन सिंह रावत गांववासी को भी श्रद्धांजलि दी। कहा कि उनका जीवन बहुत सादगीपूर्ण रहा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने के लिए जो काम किया वो हमारे स्मरण में रहेगा। वह पार्टी के स्तंभ थे। वो फाउंडर मेंबर थे। उनका अतुलनीय योगदान था। उत्तराखंड की पहली सरकार में उन्होंने मंत्री के रूप में काम किया था। मैं बहुत भावुक होता हूं जब स्व. मोहन सिंह रावत के बारे में सोचता हूं। इतने बड़े नेता लेकिन कभी ऐसा नहीं लगा। सामान्य और सहज व्यक्तित्व के धनी थे। उन जैसे नेताओं के लिए राजनीति जनता की सेवा करने का माध्यम था। वो हमेशा हमारे स्मरण में रहेंगे।स्व. पूरण चंद्र शर्मा को लेकर उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना के बाद पार्टी के वह पहले अध्यक्ष थे। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनका ज्ञान हमेशा हमें प्रेरित करता रहेगा। लक्सर विधानसभा से विधायक रहे स्व. नरेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए सीएम ने कहा कि उनकी समाजसेवा हमेशा हमे याद रहेगी। नेता प्रतपिक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि सरवत करीम आज हमारे बीच में नहीं हैं। उनकी हाजिर जवाबी, शेरो शायरी हमें प्रेरित करती है कि कठिन समय में भी हमें हौसला और हिम्मत रखनी चाहिए। मैं अपनी, अपनी पार्टी और दल की ओर से उन्हें संवेदना, श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने धनीराम, पूरण चंद्र शर्मा, किशन तड़ागी, मोहन सिंह रावत गांववासी को भी श्रद्धांजलि दी।

समस्याओं को लेकर... विरुद्ध जमकर नारेबाजी की थी जिसमें मिल प्रशासन द्वारा हस्तक्षेप कर ठेकेदार को कारण बताओं नोटिस जारी कर मजदूरों के गुस्से को शांत किया था। मजदूरों ने सप्ताह के अंदर समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर पुन: ठेकेदार के विरुद्ध आंदोलन का ऐलान किया था। सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ठेका कर्मचारियों ने मिल गेट के आगे एकत्रित होकर प्रदर्शन किया तथा मिल ठेकेदार एवं मिल प्रबंधन तंत्र के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश प्रकट किया। मजदूरों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा उनका वेतनमान निर्धारित नहीं किया गया है ।30 दिन का कार्य लेने पर 28 दिन का भुगतान किया जाता है जिसमें भी कटौती की जाती है। यही नहीं प्रत्येक मिल कर्मचारियों का पीएफ का विवरण भी ठेकेदार द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है और ना ही पूर्ण जानकारी दी जा रही है। मजदूरों की अगुवाई करते हुए कांग्रेसी नेता संजीव सिंह एवं भाजपा नेता राजीव सक्सेना द्वारा अलग-अलग ठेकेदारों से की जा रही वार्ता के चलते कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण भी बनी रही। वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ तथा मिल प्रबंधन तंत्र मजदूर नेताओं एवं ठेकेदार के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता कराई गई। चीनी मिल के अतिथि गृह में ठेकेदार ,ठेका कर्मचारी, मिल प्रबंधन तंत्र एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बीच चली लंबी वार्ता के बाद ठेकेदार एवं ठेका प्रथा कर्मचारियों के बीच समझौता वार्ता में तय किया गया कि ठेका प्रथा कर्मचारियों को ठेकेदार द्वारा 10 तारीख तक वेतन का प्रत्येक माह भुगतान किया जाएगा तथा पीएफ कटौती की संपूर्ण जानकारी मिल मजदूरों को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा वेतन ग्रेड के हिसाब से प्रत्येक व्यक्ति को भुगतान किया जाएगा। ठेकेदार के प्रतिनिधि विभोर ने बताया कि कि उनके ठेके के अंतर्गत 86 ग्रेड के कार्य दिए गए हैं जिसमें टेक्नीशियन इंजीनियर मजदूर वेल्डर आदि सम्मिलित हैं। इसमें कुछ मजदूर वे भी हैं जो रिटायर हो चुके हैं किंतु उन्हें कार्य दिया जा रहा है। जिस वजह से कई मजदूरों को पीएफ की कटौती नहीं की जाती है। उनका वेतन बढ़ाकर दिया जाता है जबकि जो मजदूर पीएफ के दायरे में आते है उनका पीएफ काटा जाता है जिसकी संपूर्ण जानकारी मजदूरों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर में मुख्य रूप से ठेकेदार की तरफ से विनीत राव विभोर तथा मिल प्रबंधन की तरफ से केन मैनेजर ऋषिपाल के अलावा स्थानीय नेता संजीव सिंह, मनमोहन सक्सेना, राजीव सक्सेना, पूरन भट्ट, श्याम बिष्ट, विनोद कुमार कोहली, श्रमिक शंकर, अमरजीत, सोनू, गौरव, नूर हसन, अंगद यादव सहित सैकड़ो ठेका मिल कर्मचारी मौजूद थे।

धीरेंद्र शास्त्री ने .. पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज को आगरा से एयरलिफ्ट कर देहरादून लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ की शिकायत हुई थी। पहले आगरा में ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिर वहां से देहरादून लाया गया। यहां उनका इलाज सिनर्जी अस्पताल में किया जा रहा है। सिनर्जी के एमडी कमल गर्ग ने बताया कि जगद्गुरु की हालत में हर दिन सुधार हो रहा है। तीन से चार दिन में उनके पूरी तरह से स्वस्थ होने की उम्मीद डॉक्टर जता रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी निगरानी में डॉक्टरों की टीम लगी हुई है।

यूसीसी को लेकर..उसे मंजूरी दे दी जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए हल्द्वानी शहर के वनभूलपुरा इलाके में पुलिस तंत्र को सक्रिय कर दिया गया है। क्षेत्र के आजाद नगर, इंदिरा नगर, ताज चौराहा सहित कई स्थानों पर खुफिया और पुलिस के जवान हर गतिविधि पर पैनी नजर गढ़ाए हुए हैं।

घर से चोरों ... कार्ड, आधार कार्ड व नगदी रखी थी वह गायब था। जितेंद्र के अनुसार वह एक फरवरी को वह अपनी रिश्तेदार में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे तब किसी अज्ञात चोर ने उक्त सामान चोरी कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रूद्रपुर की सियासत...सफलता से ठुकराल खेमे का आत्मविश्वास तो बढ़ेगा ही, साथ ही अब भाजपा उन्हें हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी, क्योंकि व्यापार मंडल के चुनाव में पूर्व विधायक द्वारा नगर के व्यापारी जगत पर अपनी पकड़ साबित करने के बाद, यह तो लगभग तय हो गया है कि आगामी नगर निकाय चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल के प्रत्याशी का, ठुकराल के समर्थन के बिना मेयर की कुर्सी तक पहुंच पाना आसान नहीं होगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरे नाबालिग पुत्र का नाम गुरअदम सिंह सैदोरा (GURADAM SINGH SADIOURA) था अब मैंने अपने नाबालिग पुत्र का नाम परिवर्तन करके गुरअदम सिंह (GURADAM SINGH) रख लिया है। भविष्य में हर विवरण में मेरे नाबालिग पुत्र को नये नाम गुरअदम सिंह (GURADAM SINGH) से ही सम्बोधित किया जाए।

कमलप्रीत कौर पुत्री श्री सुरजीत सिंह निवासी मकान नं०-8, खटीमा रोड, वार्ड नं०-3, श्याम रतन कालोनी, सितारगंज, जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व० तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

मनोज छाबड़ा और संदीप राव ने लहराया परचम

एक दशक बाद हुए रूद्रपुर व्यापार मण्डल के चुनाव में मुकाबला हुआ दिलचस्प महामंत्री पद पर मनोज छाबड़ा और कोषाध्यक्ष पद पर संदीप राव ने बाजी मारी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। व्यापार मंडल चुनाव में आखिरकार महामंत्री पद पर मनोज छाबड़ा और कोषाध्यक्ष पद पर संदीप राव ने बाजी मार ली। करीब एक दशक बाद हुए रूद्रपुर व्यापार मण्डल के चुनाव में मुकाबला दिलचस्प हो गया था। इस चुनाव में कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। आखिरकार व्यापारियों में भी इस चुनाव को लेकर भारी उत्साह था। हालाकि अध्यक्ष पद पर संजय जुनेजा की जीत निर्विरोध सुनिश्चित हो चुकी थी। जिसके बाद बाद महामंत्री पद पर खासा रोमांच बना हुआ था। चुनाव की तिथि आते आते कोषाध्यक्ष पद पर भी मुकाबला दिलचस्प हो गया और चुनाव को लेकर लगाये जा जा रहे सारने कयास धरे रह गये। कल जनता इंटर कालेज में वोटिंग के दौरान अंतिम समय तक प्रत्याशी अपने पक्ष में वोट मांगते नजर आ रहे थे। निर्विरोध अध्यक्ष बन चुके संजय जुनेजा भी इस चुनाव में कोषाध्यक्ष पद पर पवन गावा और महामंत्री पद पर हरीश अरोरा के लिए वोट मांगते नजर आ रहे थे। इसे लेकर हंगामा भी हुआ। शाम को मतदान पूरा होने के बाद देर शाम तक मतगणना हुयी । जिसमें मनोज छाबड़ा ने हरीश अरोड़ा से 129 से वोट अधिक प्राप्त कर जीत हासिल की तो वहीं कोषाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबले में संदीप राव ने पवन गाबा पल्ली को 86 मतों से हराकर बाजी मारी है। बलविंदर सिंह बल्लू तीसरे नंबर पर रहे। कोषाध्यक्ष पद पर मतगणना दूसरी बार करनी पड़ी। दूसरी बार भी संदीप राव ही विजयी घोषित हुए। अध्यक्ष पद पर पूर्व अध्यक्ष संजय जुनेजा को एक मात्र प्रत्याशी होने से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। चुनाव के बाद विजयी प्रत्याशियों को व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों ने प्रमाण पत्र दिये। परिणाम की घोषणा के बाद महामंत्री और कोषाध्यक्ष पद पर विजयी हुए प्रत्याशियों ने शहर में गाजे बाजों के साथ विजय जुलूस निकाला। इस दौरान जगह जगह दोनों पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया।

जीत कर भी 'हार' गये संजय जुनेजा

रूद्रपुर। व्यापार मण्डल के चुनाव में अध्यक्ष पद पर निर्विरोध विजयी हुए संजय जुनेजा जीतकर भी हार गये। दस साल बाद हुए व्यापार मण्डल चुनाव में व्यापारियों ने संजय जुनेजा की काम और व्यापारियों के लिए समर्पण की भावना को देखते हुए उनके सामने कोई प्रत्याशी खड़ा नहीं किया। लेकिन संजय जुनेजा ने इस सम्मान को दरकिनार कर दिया और महामंत्री और कोषाध्यक्ष पदों पर अपने चहेते प्रत्याशियों के प्रचार में लग गये। उन्होंने मतदान से पहले ही हरीश अरोरा और पवन गावा को अपने समर्थन की घोषणा कर दी थी। यही नहीं मतदान के दिन अंतिम समय में भी वह वोट मांगते नजर आ रहे थे। जिसके चलते उन्हें विरोध का सामना भी करना पड़ा। इसे लेकर चुनाव स्थल पर हंगामा भी हुआ। कुछ व्यापारियों ने तो संजय जुनेजा को खरी खोटी सुनाते हुए यहां तक कह दिया कि 'आपके सामने प्रत्याशी खड़ा ना करके हमने बहुत बड़ी गलती कर दी।' ऐसी कई तल्ख टिप्पणियां जुनेजा के सामने ही कई व्यापारियों ने की। जुनेजा खुद तो अध्यक्ष बन गये लेकिन अपने चहेतों को जिताने की उनकी रणनीति फेल हो गयी। बता दें चुनाव में राजेश कामरा भी महामंत्री पद पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे लेकिन संजय जुनेजा के प्रयासों से कामरा ने चुनाव से पहले ही मैदान छोड़ दिया। व्यापारियों में अब यहां तक चर्चा है कि अगर जुनेजा दोनों प्रत्याशियों का समर्थन नहीं करते तो शायद चुनाव परिणाम कुछ और होते। कुल मिलाकर जुनेजा की कूटनीति चुनाव में काम नहीं आई और आखिरकार वह खुद जीतकर भी 'हार' गये।

छात्र शक्ति को चुनौति देना भारी पड़ा

रूद्रपुर। व्यापार मण्डल चुनाव कोषाध्यक्ष पद पर छात्र शक्ति एकजुट नजर आई और इस एकजुटता ने संदीप राव की जीत की राह आसान कर दी। वैसे छात्र नेता आम तौर पर व्यापार मण्डल के चुनावों में कम ही हस्तक्षेप करते हैं लेकिन इस बार छात्र नेताओं ने कोषाध्यक्ष पद के चुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया। दरअसल कोषाध्यक्ष पद पर चुनाव लड़े संदीप राव छात्र राजनीति से भी ताल्लुक रखते हैं, उनके छात्र राजनीति में होने के चलते दूसरे प्रत्याशी और उनके समर्थक उन्हें हल्के में ले रहे थे। मतदान से पहले दूसरे प्रत्याशी और समर्थकों ने संदीप राव और छात्र नेताओं के लिए टिप्पणी कर दी कि 'ये छात्र संघ चुनाव नहीं है'। इस टिप्पणी की जानकारी जब छात्र नेताओं को मिली तो कई पूर्व और वर्तमान छात्र नेताओं ने संदीप राव को जिताने के लिए मोर्चा संभाल लिया। छात्र नेताओं की पूरी टीम संदीप राव को जिताने के लिए जोर शोर से जुटी रही और आखिरकार छात्र शक्ति ने संदीप रावत की जीत में बड़ी भूमिका निभाते हुए विरोधियों को छात्र शक्ति की ताकत का एहसास करा दिया।

नवनिर्वाचित महामंत्री और कोषाध्यक्ष ने विधायक से लिया आशीर्वाद

रुद्रपुर। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल चुनाव में नवनिर्वाचित महामंत्री मनोज छाबड़ा व कोषाध्यक्ष संदीप रावत ने विधायक शिव अरोरा के निवास पर पहुंचकर आशीर्वाद लिया और आभार जताया। विधायक शिव अरोरा ने दोनों ही विजयी प्रत्याशियों को मुंह मीठा करवा कर व पटका पहनाकर जीत की शुभकामनाएं दी और कहा आप व्यापारी हित मे कार्यो करो और विधायक शिव अरोरा सदैव उनकी ओर व्यापारियों की हर समस्या में उनके साथ है । विधायक शिव अरोरा महामंत्री मनोज छाबड़ा , कोषाध्यक्ष संदीप राव को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी, वही विधायक ने आश्वस्त किया कि व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ओर व्यापारियों के साथ हर सुख दुख में वह खड़े मिलेंगे और उनकी हर समस्या के समाधान हेतु सदैव प्रयासरत्त रहेंगे। इस दौरान सोनू अनेजा, संदीप चीमा, रोनिक नारंग, किरण विर्क, सुरेश कोली, पंकज बांगा,अशोक गुम्बर, मोहित चड्ढा, मयंक कक्कड़ व अन्य लोग मौजूद रहे।

पवन गावा ने जताया आभार

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। व्यापार मण्डल चुनाव में कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी पवन गाबा पल्ली ने अपनी हार को स्वीकार करते हुए सभी व्यापारियों एवं अपने सभी समर्थन कर रहे सभी मित्रों और साथियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पहले भी सभी व्यापारियों के साथ थे और आगे भी व्यापारी हितों के लिए वह काम करते रहेंगे।

उत्तराखंड में यूसीसी ड्राफ्ट को कैबिनेट की हरी झंडी

देहरादून । उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून लागू करने के लिए धामी मंत्रिमंडल ने यूसीसी ड्राफ्ट को हरी झंडी दे दी है। 6 फरवरी को प्रदेश सरकार विधानसभा पटल पर यूसीसी बिल पेश करेगी।रविवार शाम को सीएम आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल बैठक हुई। जिसमें सुप्रीमकोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई समिति की ओर से तैयार यूसीसी ड्राफ्ट का प्रस्तुतिकरण दिया गया। चार खंडों में 740 पेज के यूसीसी रिपोर्ट पर चर्चा के बाद मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से मुहर लगा दी। साथ ही यूसीसी विधेयक तैयार कर विधानसभा के पटल पर रखने को मंजूरी दे दी। यूसीसी ड्राफ्ट में बहु विवाह रोकने, लिव इन की घोषणा, बेटियों को उत्तराधिकार में बराबरी का अधिकार देने, विवाह का रजिस्ट्रेशन करने, एक पति-एक पत्नी का नियम समान रूप से लागू करने जैसे तमाम प्रावधान हैं। बैठक में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, डॉ.धन सिंह रावत, गणेश जोशी, रेखा आर्या के अलावा मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन भी मौजूद थे।

कुमाऊं में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मिले 30 पशुधन प्रसार अधिकारी

हल्द्वानी। कुमाऊं मंडल के ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों के लिए अच्छी खबर है। पशुपालन निदेशालय की ओर से बृहस्पतिवार को राज्य भर में 74 नये पशुधन प्रसार अधिकारी मिल गए हैं, जिसमें कुमाऊं में 30 की तैनाती हुई है। हालांकि 381 पदों के सापेक्ष अभी 164 पशु सेवा केंद्र खाली है। सरकार की सभी योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों तक पहुंचाने का कार्य पशुधन प्रसार अधिकारी का होता है। इसी के साथ सभी ब्लॉक के न्याय पंचायत स्तर के किसानों, पशुपालकों की आय की बढ़ोतरी में भी सहयोग करते है। कुमाऊं में 381 पशु सेवा केंद्र हैं। इनमें पशुधन प्रसार अधिकारी के 386 पद हैं, जहां पांच पशुधन प्रसार अधिकारी विभिन्न पशु फार्म में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। 381 पशु सेवा केंद्रों को 30 नवनियुक्त अधिकारी मिलने से 217 पशुधन प्रसार अधिकारी वर्तमान में तैनात है। अभी भी 164 पशु सेवा केंद्र रिक्त हैं। परियोजना निदेशक डॉ. एचसी जोशी ने बताया कि कुमाऊं के पशु सेवा केंद्रों के लिए 30 अधिकारी मिले हैं। इससे किसानों और पशुपालकों को लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार विभिन्न योजनायें भी संचालित कर रही है। वहीं छोटे काश्तकार भी पशुपालन कर अपनी आजीविका चला रहे है।

युवक से मारपीट कर मोबाईल व पर्स लूटा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में शमशान घाट रोड़ पर दो बदमाशों ने एक युवक से मारपीट कर उसके पास से मोबाईल व नगदी सहित पर्स लूट लिया और फरार हो गए। रोहित कुमार पुत्र भूपाल राम हाल निवासी ट्रांजिट कैंप वार्ड 3 निकट रॉक जिम ने बताया कि कल 4 फरवरी की शाम लगभग 6 बजे वह आजाद नगर शमशान घाट रोड पर किसी काम से गया हुआ था। तभी वहां पर एक युवक अपने कुछ दोस्तों के साथ आ गया और उसे लूटने के इरादे से पकड़ कर जबरदस्ती एक बंद गली में ले गया। रोहित का कहना है कि वह युवक उसके साथ मारपीट करने लग जाते हैं जिसमे से एक लड़के ने उसका मोबाईल छीन लिया और दूसरे ने उसका पर्स छीन लिया जिसमे रखे 500 रुपये निकाल कर और पर्स लेकर भाग गए। उसने काफी देर तक उन लोगों को ढूंढा लकिन वो लोग मोबाइल और पैसे लेकर भाग गए।